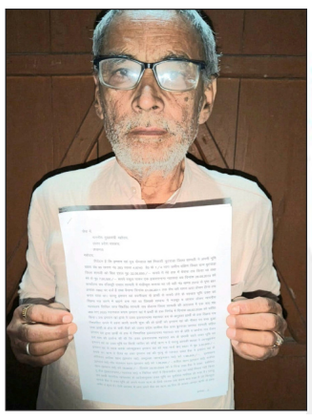

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

किसान ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर उत्तर प्रदेश ..... पेज: 6

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 14 | बुधवार 15 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में सुबह-सुबह लगे भूकंप के झटके, प्रशासन अलर्ट पर

श्रीनगर (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि दोनों ही क्षेत्रों से अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। भूकंप की जानकारी मिलते ही संबंधित जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन इकाइयां तुरंत सक्रिय हो गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की भदेरवाह घाटी और उसके आसपास के इलाकों में सुबह 4:55 बजे भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.9 दर्ज की गई है। डोडा जिले के लिए इस तरह की हलचलें चिंता का विषय बनी हुई हैं, क्योंकि इससे पहले 12 अप्रैल को भी यहां 4.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप महसूस किया गया था, जिसका समय सुबह 04:32 बजे दर्ज हुआ था। इतना ही नहीं, मार्च की शुरुआत में भी क्षेत्र ने 4.2 तीव्रता के झटके झेले थे। लगातार आ रहे इन झटकों ने घाटी के लोगों को डरा दिया है। दूसरी ओर, उत्तराखंड के सीमावर्ती जिले पिथौरागढ़ में भी मंगलवार सुबह 7:07 बजे धरती कांपी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने स्थिति का जायजा लेने के लिए भूकंप केंद्र और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। गनीमत रही कि वहां भी स्थिति सामान्य है और संपत्तियों को कोई क्षति नहीं पहुंची है। भूकंप की यह सक्रियता केवल उत्तर भारत तक ही सीमित नहीं रही है। हाल ही में महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र, विशेषकर हिंगोली जिले में भी 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हिंगोली के जिलाधिकारी के अनुसार, पांगरा शिंदे गांव में कुछ घरों और सामुदायिक केंद्रों की दीवारों में दरारें देखी गई थीं। देश के विभिन्न हिस्सों में बार-बार आ रहे ये झटके भूकंपीय संवेदनशीलता को दर्शाते हैं, जिसके चलते प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है।

बीजेपी विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल, डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

पटना (एजेंसी)। बीजेपी के कुम्हरार से विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक संजय गुप्ता पश्चिम बंगाल में चुनावी कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद सिलीगुड़ी से पटना लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका वाहन हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना कितनी गंभीर थी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि हादसे में उन्हें सीने में चोट लगी है। हादसे के तुरंत बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टरों द्वारा जांचें की जा रही हैं ताकि किसी अंदरूनी चोट की स्थिति का सही आकलन किया जा सके। इधर, घटना की खबर मिलते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता का माहौल है। पार्टी के कई नेता और करीबी अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जान रहे हैं। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

पटना में 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद, चार गिरफ्तार, 7 पर मामला दर्ज

पटना (एजेंसी)। पटना में औषधि नियंत्रण प्रशासन ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को रानीगंज स्थित एक गोदाम से भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन जब्त किए गए। अधिकारियों ने 39 कार्टन में रखे करीब 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद किए। इसकी कीमत 27.30 लाख है। इस मामले में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से चार आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पिकअप वाहन से नशीले इंजेक्शन की बड़ी खेप शहर में लाई जा रही थी। सूचना मिलते ही टीम ने पिकअप वाहन को रोका और शुरुआती खेप बरामद की। पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर रानीगंज इलाके के गोदाम पर छापेमारी की गई। सोमवार सुबह करीब 11 बजे गोदाम की तलाशी ली गई। इस दौरान भारी मात्रा में इंजेक्शन के कार्टन मिले। अधिकारियों के मुताबिक कुल 39 कार्टन में करीब 78 हजार इंजेक्शन थे, जिनकी कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक औषधि नियंत्रण प्रशासन ने इसे अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताया है। जांच में पता चला है कि जब्त किए गए इंजेक्शन का उत्पादन नारोडियन फार्मासिस्ट नामक कंपनी ने किया था। इसकी मार्केटिंग क्रिक फार्मा एजेंसी के जरिए की जा रही थी। दोनों कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने इसे जांच का अहम पहलू बताया।

पुणे के रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां फरार, केयरटेकर को बंधक बनाकर रची साजिश

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां हडपसर इलाके के मोहम्मदवाड़ी रोड पर स्थित रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां केयरटेकर पर हमला कर फरार हो गईं। यह घटना 23 मार्च की है, लेकिन इसका खुलासा करीब 20 दिन बाद 12 अप्रैल को हुआ। फरार हुई इन सभी युवतियों को मानव तस्करी के चंगुल से छुड़ाया गया था और हाल ही में उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने के अदालती आदेश जारी हुए थे। पूरी वारदात संस्थान के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना वाले दिन सुबह करीब 6:30 बजे, जब परिसर में सफाई चल रही थी, एक युवती ने पेट दर्द का बहाना बनाया। जैसे ही केयरटेकर लक्ष्मी कांबले दवा लेकर कमरे में पहुंचीं, युवतियों ने उन पर हमला कर दिया। एक लड़की ने उन्हें पीछे से पकड़ा, जबकि अन्य ने उन्हें पीटा और उनके हाथ-पैर बांध दिए। केयरटेकर के मुंह में कपड़ा ठूंसकर उन्हें कमरे में बंद कर दिया गया। सफाई कार्य के कारण उस समय मुख्य द्वार खुला रह गया था, जिसका लाभ उठाते हुए ये युवतियां बाहर की ओर भागीं। रास्ते में जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो युवतियों ने उसे भी नहीं बख्शा; उसे घसीटा गया और उसके हाथ पर दांत से काट लिया गया। इस अफरातफरी के बीच सभी 13 युवतियां परिसर से बाहर निकलने में कामयाब रहीं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और अब तक सैयद नगर व हडपसर इलाके से दो लड़कियों को बरामद कर लिया गया है, जबकि 11 अब भी लापता हैं।

बंगाल चुनाव: विधानसभाओं में गूंज रहा हृदय माझे काबा और नयने मदीना...गाना

-मुस्लिम वोटरों को लुभाने में जुटी टीएमसी, बीजेपी ने बताया तुष्टीकरण

कोलकाता (एजेंसी)। हृदय माझे काबा और नयने मदीना...यानी दिल में काबा और आंखों में मदीना...पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच यह गाना विधानसभाओं में गूंज रहा है। यह गीत टीएमसी की सभाओं में उसकी सांसद सायनी घोष गा रही हैं। इस गीते की रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है तो वहीं रैलियों में वह खुद पूरा गीत गाकर मुस्लिम वोटरों का भरोसा जीतने में जुटी हैं। वहीं बीजेपी का कहना है कि यह मुस्लिम तुष्टीकरण है।

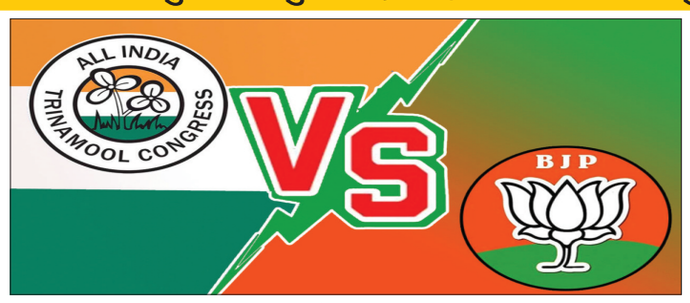

बता दें सायनी घोष टीएमसी सांसद हैं और पेशे से अभिनेत्री भी हैं। उन्होंने कई बांग्ला फिल्मों और सीरियल्स में काम किया। सायनी घोष ने बांग्ला टेलीफिल्म इच्छे दाना से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह 2021 में टीएमसी में आई थीं और फिर 2024 में जादवपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी और जीत हासिल की। हालांकि इससे पहले 2021 में उन्हें आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव के बाद ही जून 2021 में उन्हें टीएमसी की यूथ विंग का अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने अभिषेक बनर्जी की जगह ली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की जगह उन्होंने यूथ टीएमसी की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे समझा जा सकता है कि ममता की वह कितनी करीबी हैं। सायनी घोष का नाम विवादों में भी जुड़ता रहा है। कई बार उनके बयान चर्चा में रहे हैं तो वहीं एक घोटाले में भी उनका नाम आया था। कम उम्र में ही बड़ी राजनीतिक सफलता पाने वालीं सायनी घोष अब अपनी गाने की क्षमता का इस्तेमाल राजनीतिक मंच पर कर रही हैं। वहीं बीजेपी इसे मुस्लिम तुष्टीकरण बता रही है।

बीजेपी समर्थकों की ओर से कई रील शेयर किए गए हैं और लिखा जा रहा है कि आखिर एक सांसद कैसे मंच से इस तरह का गाना गा सकती है। सायनी घोष को बीजेपी पर तीखे हमलों के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनका दिया एक नारा भी चर्चा में रहा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि बंगाल दिखाएगा- ममता की क्षमता। माना जा रहा है कि मुस्लिम बहुल इलाकों में इस गाने के जरिए टीएमसी माहौल बनाना चाहती है।

मुंबई में लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग ओवरडोज से 2 छात्रों की मौत, एक युवती की हालत गंभीर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर गोरेगांव में आयोजित एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग्स के ओवरडोज से दो लोगों की मौत का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मृतकों में एक युवक और एक युवती शामिल हैं, जो दोनों उच्च शिक्षित एमबीए छात्र बताए जा रहे हैं। जबकि एक युवती की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया है कि मृतक दक्षिण मुंबई के एक प्रतिष्ठित मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। दोनों अपने 15 दोस्तों के समूह के साथ कॉन्सर्ट में शामिल हुए थे। जांच में सामने आया है कि दोनों छात्रों ने कॉन्सर्ट से पहले और उसके दौरान एक्स्टेसी टैबलेट्स का सेवन किया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 11 अप्रैल को गोरेगांव इलाके में नेस्को एक्जीबिशन सेंटर में आयोजित एक लेट-नाइट टेक्नो म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान यह घटना हुई। वहां एक बड़े स्तर पर लाइव कॉन्सर्ट आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 3 से 4 हजार युवक-युवतियां शामिल हुए थे। संगीत और पार्टी के माहौल में शराब के साथ-साथ ड्रग्स के इस्तेमाल की भी जानकारी सामने आई है। कार्यक्रम के दौरान कुछ युवाओं ने कथित तौर पर अधिक मात्रा में ड्रग्स का सेवन कर लिया, जिससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। दो युवतियों को तुरंत हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि एक युवक को लाइफ लाइन अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती युवक की मौत हो गई। वहीं ट्रॉमा केयर अस्पताल से डिस्चार्ज के बाद दोनों युवतियों को आगे के इलाज के लिए निजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां सोमवार दोपहर एक युवती ने दम तोड़ दिया। दूसरी युवती की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। इस मामले में वनराई पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और पुलिस जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने लापरवाही और सदोष मनुष्यवध का मामला दर्ज करते हुए आयोजक सनी जैन, अन्य इवेंट आयोजकों और मृत छात्रों के दो मित्र को आरोपी बनाया है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों के खून के नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि किस प्रकार के ड्रग्स का सेवन किया गया था।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा कतार लांघ गई अभिनेत्री करीना, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि मुंबई एयरपोर्ट का एक वीडियो है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में करीना कपूर सुरक्षा जांच (सिक्योरिटी चेक) के दौरान लंबी कतार को छोड़कर सीधे सिक्योरिटी गेट की ओर जाती दिख रही हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर सेलिब्रिटी प्रिविलेज यानी मशहूर हस्तियों को मिलने वाले विशेषाधिकारों को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है।

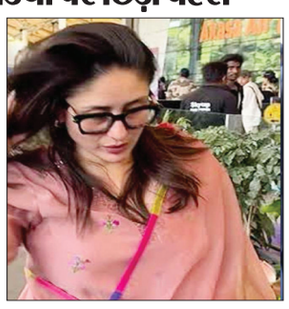

वीडियो वायरल होते ही माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई उपयोगकर्ताओं ने करीना के इस व्यवहार पर नाराजगी जताई और इसे आम नागरिकों के साथ नाइंसाफी करार दिया। एक यूजर ने पोस्ट करते हुए लिखा कि करीना कपूर ने कतार तोड़कर सीधे गेट पर पहुंचकर नियमों का उल्लंघन किया है। यूजर ने सवाल उठाया कि सेलिब्रिटी को यह विशेषाधिकार किसने दिया, जबकि अन्य यात्रियों की उड़ानें भी उतनी ही जरूरी होती हैं। कुछ लोगों ने इसे अहंकार बताया और सरकारी अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए।

हालांकि, बहस के बीच कई लोग करीना कपूर के बचाव में भी उतरे। सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने स्पष्ट किया कि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर पेड वीआईपी सर्विस (सशुल्क वीआईपी सेवा) उपलब्ध होती है। इस सेवा के तहत कोई भी यात्री एक निश्चित शुल्क (जैसे 6,000 रुपये) देकर एक्सप्रेस सुरक्षा जांच और त्वरित क्लियरेंस की सुविधा प्राप्त कर सकता है। समर्थकों का तर्क है कि यह कोई फ्री कल्चर नहीं बल्कि एक वैध व्यवसायिक सेवा है, जिसे करीना ने संभवतः खरीदा होगा। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी कहा कि जब राजनेताओं या क्रिकेटरों को ऐसी सुविधाएं मिलती हैं, तब कोई विरोध नहीं होता, लेकिन एक अभिनेत्री के मामले में समानता की बात उठाना गलत है।

इस विवाद ने देश में कतार संस्कृति और सेलिब्रिटी सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ समर्थकों का मानना है कि सेलिब्रिटी अक्सर भीड़ और सुरक्षा कारणों से आम कतारों से बचते हैं। फिलहाल इस पूरे विवाद पर करीना कपूर खान की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह घटना एक बार फिर भारत में सार्वजनिक स्थलों पर मिलने वाली विशेष सुविधाओं और आम जनता की उनके प्रति धारणा के बीच के बड़े अंतर को उजागर करती है।

महिला आरक्षण विधेयक: कांग्रेस ने जारी किया निर्देश, सभी रहें विशेष सत्र में उपस्थित

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण विधेयक में परिसीमन समेत अन्य सियासी मसाला लपेटने की कोशिश अगर चुनावी बेला में सरकार की तरफ से की जाएगी तो विपक्ष अपनी लामबंदी से घेरने को तैयार है। इसको ध्यान में रखते कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा में अपने सभी सांसदों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। इस व्हिप के तहत पार्टी के सभी लोकसभा सदस्य 16, 17 और 18 अप्रैल (गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार) को सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और पार्टी के रुख के अनुसार मतदान करेंगे।

उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा से यूपीए सरकार के समय ही पारित हो गया था। लोकसभा में साथी दलों समेत अन्य दलों के विरोध के चलते पारित नहीं कराया जा सका था। राजद, सपा, जदयू समेत विरोध करने वाले दलों के नेता महिला आरक्षण में एससी, एसटी, ओबीसी महिलाओं के आरक्षण की मांग को लेकर बेहद मुखर थे। अब विधेयक का प्रारूप क्या होगा, विपक्षी दलों की रणनीति उसी आधार पर फ्लोर टेस्ट में बदलेगी।

कांग्रेस संसदीय दल के चीफ व्हिप से जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि इन तीन दिनों के विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में महिला आरक्षण समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और मतदान प्रस्तावित है। ऐसे में सभी सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करना पार्टी के लिए अत्यंत आवश्यक है। व्हिप में सांसदों को सुबह 11:00 बजे से सदन की कार्यवाही शुरू होने से लेकर स्थगन तक मौजूद रहने के लिए कहा गया है। पार्टी नेतृत्व ने अपने निर्देश में यह भी रेखांकित किया है कि किसी भी परिस्थिति में अनुपस्थित रहने की अनुमति नहीं होगी और सभी सांसदों को बिना किसी चूक के पार्टी लाइन का समर्थन करना होगा। इस निर्देश को अत्यंत महत्वपूर्ण श्रेणी में रखा गया है, जो इसकी गंभीरता को दर्शाता है। इस घटनाक्रम के बाद लोकसभा की आगामी कार्यवाही पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं, जहां महिला विधेयक और प्रस्तावों पर तीखी बहस और निर्णायक मतदान होने की संभावना है।

क्या होता है तीन लाइन का व्हिप?

तीन लाइन का व्हिप संसद में जारी होने वाला सबसे सख्त निर्देश माना जाता है। इसके तहत संबंधित पार्टी के सांसदों के लिए सदन में उपस्थित रहना और पार्टी के निर्देशानुसार मतदान करना अनिवार्य होता है। यदि कोई सांसद इसका उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें सदस्यता समाप्ति तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि तीन लाइन व्हिप का जारी होना इस बात का संकेत है कि सदन में होने वाले मतदान बेहद अहम हैं और सरकार तथा विपक्ष दोनों के लिए राजनीतिक रूप से निर्णायक साबित हो सकते हैं। ऐसे में पार्टी अपने सांसदों की पूर्ण उपस्थिति और एकजुटता सुनिश्चित करना चाहती है।

कल्याण में भीषण सड़क हादसा : डंपर और कार की सीधी भिड़ंत में मरने वालों की संख्या हुई 11

मुंबई। महाराष्ट्र के कल्याण इलाके में सोमवार को हुए एक हृदयविदारक सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। अस्पताल में उपचार के दौरान दो और घायलों द्वारा दम तोड़ने के बाद प्रशासन ने इस आंकड़े की पुष्टि की। यह भीषण दुर्घटना कल्याण-मुरबाड मार्ग पर रायता पुल के पास सुबह करीब 11 बजे हुई, जब एक तेज रफ्तार कार और मिक्सर डंपर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, कार कल्याण से मुरबाड की ओर जा रही थी, जिसमें क्षमता से अधिक कुल 12 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायलों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, इलाज के दौरान तीन अन्य लोगों ने भी दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का कुल आंकड़ा 11 पहुंच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि नेशनल हाईवे 61 पर हुआ यह हादसा बेहद दुखद है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और घायलों को बेहतर उपचार प्रदान किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही टिटवाला पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराने के साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

तमिलनाडु चुनाव प्रचार में एआई का इस्तेमाल, डिजिटल अवतार में वोट मांग रहे विजय

-चुनाव आयोग ने चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जोरों शोरों से जारी है। इस बीच चुनाव प्रचार में एक उम्मीदवार ने एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया, जिसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। दरअसल कुंभकोणम में तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के एक उम्मीदवार ने होलोग्राफिक एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके, चुनावी रैलियों में पार्टी अध्यक्ष विजय की असली जैसी बड़ी और जीवंत छवि दिखाई, जिससे कई कार्यक्रमों में उनकी गैर-मौजूदगी की भरपाई हो जा रही है। राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है, और विजय कई चुनावी कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे में उम्मीदवार मतदाताओं का जुड़ाव बनाए रखने के लिए दूसरे तरीके ढूंढ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच टीवीके के तंजावुर पूर्वी जिले के सचिव और कुंभकोणम से चुनाव लड़ रहे 32 साल के विनोद रवि ने इस एआई टेक्नोलॉजी हैक का इस्तेमाल किया। जानकारी के मुताबिक यह सिस्टम उन्होंने कामा टेक्नोलॉजीज से लिया है, जिसका रोजाना का किराया 50,000 रुपए है। रवि ने कहा कि चुनाव आयोग ने मुझे चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। इससे मुझे बहुत ज्यादा जोश और आत्मविश्वास महसूस होता है, मानो हमारे थलापति मेरे ठीक बगल में खड़े होकर सीधे लोगों से बात कर रहे हों।

बता दें चुनावी वाहन पर लगा यह सिस्टम दृष्टि की निरंतरता के सिद्धांत पर आधारित होलोग्राफिक प्रोजेक्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है। इसमें एक प्रोजेक्शन फैन डिस्प्ले, तेज रफ्तार वाली मोटरें और एक सिंक्रोनाइज्ड ऑडियो सिस्टम लगा है, जिसे वाहन का जेनरेटर बिजली देता है।

यह सेटअप विजय की सिर से लेकर पैर तक की एक बहुत ही असली जैसी 3डी छवि बनाता है। इसे देखकर लगता है कि वे वाहन की छत से बाहर खड़े होकर लोगों की भीड़ को सीधे संबोधित कर रहे हैं। यह सिस्टम विजय के पुराने भाषणों की ऑडियो के साथ सिंक्रोनाइज्ड होता है, जिससे लगता है कि वे चुनावी वाहन से सीधे भाषण दे रहे हैं।

नोएडा हिंसा विकास को बाधित करने की साजिश, इसमें हो सकता है पाक कनेक्शन : राजभर

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सोमवार को नोएडा में हुई श्रमिक हिंसा को राज्य के विकास को बाधित करने की एक सुनियोजित साजिश बताया है। यह बवाल वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हुआ था, जहां आगजनी और पथराव से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा गया। हाल ही में मेरठ और नोएडा से पकड़े गए चार संदिग्ध आर्तकियों के तार पाकिस्तान से जुड़े होने के कारण एजेंसियां अब इस हिंसा में बाहरी ताकतों की भूमिका की जांच कर रही है। सीएम के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर बातचीत के जरिए स्थिति को सामान्य बनाने और मजदूरों की समस्याओं को सुलझाने में जुटे हैं।

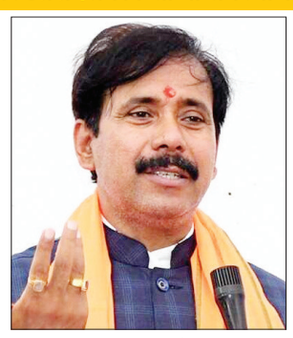

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा है कि यह घटना महज एक विरोध प्रदर्शन नहीं है। हाल के दिनों में मेरठ और नोएडा से चार संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है, जिनके हैंडलर पाकिस्तान में बैठे थे। इस पृष्ठभूमि में राज्य में अस्थिरता पैदा करने की साजिश की आशंका को बल मिलता है। मंत्री ने अंदेशा जताया कि इस अशांति का मकसद मुजफ्फरनगर में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बाधा डालना भी हो सकता था।

बता दें वेतन वृद्धि की मांग कर रहे फैक्ट्री मजदूरों का प्रदर्शन देखते ही देखते हिंसक हो गया था। नोएडा के फेज-2, सेक्टर 60, 62 और 84 में उपद्रवियों ने वाहनों को आग के हवाले कर दिया और जमकर तोड़फोड़ की। पत्थरबाजी की घटनाओं के कारण प्रमुख रास्तों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। राजभर ने स्पष्ट किया कि अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं और सरकार मजदूरों की हर जायज बात सुनने को तैयार है। मंत्री ने श्रमिकों से किसी भी तरह के बहकावे या उकसावे में न आने की अपील की है।

होर्मुज संकट के बीच चीन ने श्रीलंका को दिया दगा, भारत ने की आपातकालीन मदद

-भारत को पीएलसी में 51फीसदी नियंत्रक की हिस्सेदारी देकर अहसान चुका रहा श्रीलंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज संकट में जब चीन ने ईरान के साथ दोस्ती का ढोंग रचा और श्रीलंका से दगा किया तब भारत ने श्रीलंका का हाथ थाम लिया। ईंधन की कमी, आर्थिक दबाव और ऊर्जा संकट से जूझ रहे श्रीलंका को भारत ने आपातकालीन मदद पहुंचाई। अब श्रीलंका इस अहसान का बदला चुकाने जा रहा है। भारत की प्रमुख रक्षा शिपयार्ड मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा एमडीएल का पहली अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है, जिसकी कीमत 26.8 मिलियन डॉलर यानी करीब 249.5 करोड़ रुपए है। मुंबई स्थित इस डिफेंस पीएसयू ने 9 अप्रैल को जारी बयान में कहा था कि इस डील से श्रीलंका का सबसे बड़ा शिपयार्ड अब उसके परिचालन नियंत्रण में आ गया है। यह सौदा जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड से शेयर खरीदकर पूरा हुआ है। यह अधिग्रहण सिर्फ व्यापारिक नहीं, बल्कि जियो पॉलिटिक्स के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

चीन श्रीलंका में हम्बनटोटा बंदरगाह पर 99 साल का पट्टा ले चुका है और कोलंबो में नियमित रूप से अपने नौसैनिक जहाज खड़े कर रहा है। भारतीय हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती पैठ को देखते हुए दिल्ली इस अधिग्रहण को अपने समुद्री विस्तार रणनीति का हिस्सा बता रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (रिटायर्ड) कैप्टन जगमोहन ने कहा कि एमडीएल द्वारा सीडीपीएलसी का अधिग्रहण हमारे दोनों संगठनों के लिए ही नहीं, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग के लिए मील का पत्थर है।

ईरान की अमेरिका-इजराइल से जंग के दौरान होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। श्रीलंका जैसे छोटे देश ईंधन संकट, महंगाई और आर्थिक दबाव से जूझ रहे थे, जबकि चीन ने ईरान के साथ संबंधों का दावा किया, लेकिन व्यावहारिक रूप से श्रीलंका को तत्काल राहत नहीं दी। इसके उलट भारत ने श्रीलंका को डीजल और अन्य ईंधन की इमर्जेंसी सप्लाई की। पड़ोसी पहले सिद्धांत के तहत नई दिल्ली ने श्रीलंका का साथ दिया, जिससे कोलंबो में आर्थिक स्थिरता बनी रही। अब यह अधिग्रहण उस सहायता का प्रत्युत्तर माना जा रहा है।

यह डील भारत की समुद्री अमृत काल विज़न 2047 के अनुरूप है, जिसके तहत देश को वैश्विक समुद्री शक्ति बनाने का लक्ष्य है। एमडीएल जैसी कंपनियां अब विदेशों में पैर पसार रही हैं, जिससे भारतीय जहाज निर्माण और रिपेयर क्षमता बढ़ेगी। विश्लेषकों का मानना है कि मुख्य शिपिंग रूट्स पर कोलंबो डॉकयार्ड की रणनीतिक स्थिति भारत को हिंद महासागर में मजबूत पकड़ देगी और चीन की 'स्ट्रिंग ऑफपर्ल्स' रणनीति को प्रभावी चुनौती मिलेगी। श्रीलंका के लिए भी यह फायदेमंद साबित होगा।

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

ललित गर्ग

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी शृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था।

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। 'अभी न जाओ छोड़ कर' जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली

संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।

आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'चुरा लिया है तुमने', 'दिल चीज क्या है' जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी शृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।

संपादकीय

श्रमिक अशांति

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में ह्यजिसकी लाठी, उसकी भैंसह्न वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं।

चिंतन-मनन

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है। क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धति का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कैनवास पर जिंदगी: जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीघाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है। भारत की असली ताकत यहाँ के लोगों के हुनर और उनकी सांस्कृतिक विविधता में है। जब हम अपनी इस कलात्मक सोच को आधुनिक तकनीक और नए विचारों से पूरी तरह जोड़ देंगे, तभी एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जहाँ हर हाथ में कौशल होगा और हर दिमाग में एक नया विचार। आइए, इस रचनात्मकता के सप्ताह को अपनी जिंदगी के कोरे कैनवास पर नए रंग भरने और समाज में एक सार्थक बदलाव लाने की शुरूआत बनाएं।

धोखा फरेब नाकामी की पटकथा रही इस्लामाबाद वार्ता

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब डेढ़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते।

आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया।

अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी ह्यरेड लाइनह्न बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा.

यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज बनारसमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ते इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क चिनेको एरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब नामिरिखोलूश्यनरी गाईस कॉर्पस को होर्मुज से गुजरने पाहा से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। एक बेरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरू किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके।

हालांकि इस युद्ध ने एक तरफ ईरान और खाड़ी देशों समेत पूरी दुनिया में घोर तबाही मचाई है, वहीं एक नयी वैश्विक व्यवस्था भी तैयार की है, जिसमें ईरान निस्संदेह एक आदर्श की तरह उभरा है। ईरान ने संदेश दे दिया है कि महाशक्ति की अवधारणा और उसके हौव्वे को आत्मबल से कैसे तोड़ा जा सकता है। अब अन्य देशों को भी यह प्रेरणा मिली है कि वे अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार करने की हिम्मत दिखाएं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब में अपने फाइटर जेट तैनात कर दिए. यह तैनाती दोनों देशों के रक्षा समझौते के तहत की गई, लेकिन इसे ईरान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है. यह अमेरिका की दोहरी रणनीति थी ताकि एक तरफ बातचीत के जरिए समाधान का दिखावा किया जाए, दूसरी तरफ सैन्य दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाई घटनाक्रम की तुलना 28 फरवरी की उस घटना से भी की जा रही है, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था. यह हमला ऐसे समय में किया गया था जब दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही थी. जब किसी को हमले की उम्मीद नहीं थी तब ईरान पर अटैक हुआ, जिसमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई मारे गए. इस बात का खतरा पहले से था कि कहीं अमेरिका बातचीत के बीच धोखा न दे दे वही हुआ अब ईरान को और मजबूती से खड़े होने की जरूरत होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पुलिस अधीक्षक ने किया जनपद के थानो का किया आकस्मिक निरीक्षण

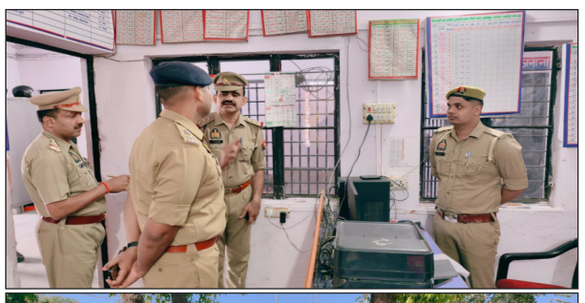

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने सोमवार को थाना हसनपुर, सैदनंगली, आदमपुर, रहरा, डिडौली का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय अभिलेख, पीआरवी रुट चार्ट व अपराध रजिस्टर, ड्यूटी संबंधित रजिस्टर, हवालात, मालखाना, थाना परिसर, साइबर सेल, मिशन शक्ति केन्द्र व उऊळश कंट्रोल रुम का निरीक्षण किया।

पुलिस अधीक्षक ने सीसीटीवी कन्ट्रोल रुम का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड को चेक किया। उन्होंने सभी तिराहो/चौराहों एवं मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक ने अपराध रजिस्टर का निरीक्षण किया और थाना परिसर में खडें माल मुकदमाती एवं लावारिस वाहनों के शीघ्र निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने त्यौहार रजिस्टर, टॉप-10 अपराधियों की सूची का अवलोकन कर अपराधियों पर और अधिक प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक ने शराब, खनन, पशु, वन भूमाफिया आदि माफियाओं के बारे में जानकारी ली और इस प्रकार के अपराधो मे संलिप्त अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत की गई कार्यवाही तथा उनके विरुद्ध पंजीकृत किये गए गैंगस्टर अधिनियम के अभियोगो मे वांछित अभियुक्तों की स्थिति की समीक्षा की। पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण कर मिशन शक्ति अभियान के तहत अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित कराकर महिलाओं को जागरुक करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, जनमानस की समस्याओं के निस्तारण व अपराध नियंत्रण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक ने आम जनता के लिये स्वच्छ वातावरण स्थापित करते हुये जन सामान्य के बैठने एवं स्वच्छ पेय जल व प्रसाधन आदि की व्यवस्था करने तथा थाने को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए स्वच्छता अभियान के साथ वृक्षारोपण आदि करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के संकल्प के साथ दी गई श्रद्धांजलि

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को मौहल्ला कोट खेवान में संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अंबेडकर उद्यान समिति द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में बाबा साहब के अनुयायियों ने भाग लेकर उन्हें अपनी भावांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत अंबेडकर उद्यान समिति के अध्यक्ष विजय गौतम के नेतृत्व में की गई। इस दौरान उपस्थित कार्यकताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे वरिष्ठ समाजसेवी इफ्तेदार उल्ला खां ने कहा कि आज पूरा राष्ट्र बाबा साहब के योगदान को याद कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें उनके बताए पदचिह्नों पर चलने का सच्चा संकल्प लेना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने अपने संबोधन में बाबा साहब के संदेश 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में इन तीन मूल मंत्रों को आत्मसात करने की अत्यधिक आवश्यकता है। समाज की वास्तविक तरक्की तभी संभव है जब हम शिक्षा को अपना हथियार बनाएंगे। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करें।

इस गौरवशाली अवसर पर अंबेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर के अध्यक्ष विनोद कुमार गौतम, पूर्व अध्यक्ष मुरारी लाल मौर्या और पूर्व सभासद अरविंद अन्ना ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुकेश जाटव, रोहतास सिंह उर्फ डब्लू भैया, डॉ. अशोक कुमार, नवाब सैफी,सतवीर सिंह, अजय पाल कटारिया, डॉ. रामचंद्र सिंह, सर्वेश सिंह, मुकुल जाटव, रूप राम सिंह, पूजा चौधरी, मास्टर राजीव कुमार और सोहन सिंह बौद्ध सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जुबिलेंट के खिलाफ भाकियू संयुक्त मोर्चा का धरना 115 वे दिन भी जारी

धरने में पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी को बाबा साहब का चित्र देकर किया गया सम्मानित

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चे का धरना 115 में दिन भी नेशनल हाईवे 9 के किनारे नाईपुरा शहबाजपुर डोर में जारी रहा। धरने पर पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी को धरना दे रहे किसानों ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी का चित्र देकर सम्मानित किया। धरना स्थल पर संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की 135 भी जयंती बनाई गई। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि बाबा साहब संविधान लिखते समय समाज में दबे कुचले और किसानों को सम्मान दिलाने के लिए जो कानून बनाए थे। आज उन कानून को अनदेखा करके उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। बाबा साहब की आत्मा जहां भी होगी इस समाज को देखकर बहुत दुखी होगी। लोगों को न्याय पाने के लिए धरना देकर बैठना पड़ता है। उसके बाद भी दबे कुचले लोग न्याय से वंचित रह जाते हैं आज बाबा साहब की 135 भी जयंती मनाते हुए सरकार मंत्री और प्रशासन को संकल्प लेना चाहिए कि बाबा साहब के द्वारा बनाए गए कानून को अनदेखा न किया जाए। किसानों और दबेकुचले लोगों को न्याय दिलाने के लिए आगे आना चाहिए। आगे कहा कि गजरौला क्षेत्र का किसान अपनी जान बचाने के लिए जहरीले पानी के खिलाफ 115 दिन से धरना देकर आंदोलन कर रहा है। इन किसानो को बाबा साहब के संविधान के तहत जल्द से जल्द न्याय मिले। किसानों के शुद्ध पानी की व्यवस्था हो। मुख्य सचिव अरुण सिद्धू ने कहा की किसानों को न्याय मिलने तक गजरौला क्षेत्र के किसानों को न्याय मिलने तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। यदि जरूरत पड़ी तो इस धरने को उठाकर फैक्ट्री के गेट पर लगाने का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष एहसान अली, तेजपाल सिंह,होमपाल सिंह,ओम प्रकाश सिंह, रामपाल सिंह, रामशरण सिंह, रामप्रसाद सिंह,ओमप्रकाश चौहान, पृथ्वी सिंह, विजय सिंह, मौजूद रहे।

एआरटीओ प्रवर्तन के नेतृत्व में किया गया 75 स्कूली वाहनों का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- शासन के निदेर्शानुसार स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों का निरीक्षण लगातार जारी है। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने इस कार्य के लिए 05 टीमों का गठन किया है। ये टीमें स्कूली परिसरों में जाकर स्कूली वाहनों का सघन निरीक्षण कर रही हैं। निरीक्षण रिपोर्ट शासन द्वारा विकसित एकीकृत स्कूली वाहन निगरानी पोर्टल (वढ कऱ्श्टढ) पर अपलोड की जा रही है।इस पोर्टल पर सबसे पहले विद्यालय अपने प्रपत्रों की वैधता के साथ वाहनों को फीड करते हैं, जिससे वाहन स्कूल के नाम से ऑनबोर्ड हो जाते हैं। जिले में कुल पंजीकृत 2899 स्कूलों में से अब तक 2585 स्कूल पोर्टल पर ऑनबोर्ड हो चुके हैं। परिवहन विभाग के अधिकारी निरीक्षण आख्या पोर्टल पर अपलोड करते हैं। इस पोर्टल की निगरानी जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, पीडब्ल्यूडी सहित सभी संबंधित विभाग कर सकेंगे। आज के अभियान में 75 स्कूली वाहनों का निरीक्षण किया गया। अब तक कुल 524 स्कूली वाहनों का निरीक्षण पूरा हो चुका है। आज 20 वाहनों को विभिन्न कमियों के लिए नोटिस जारी कर उन्हें दूर करने के निर्देश दिए गए। इनकी निरीक्षण रिपोर्ट भी पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है।यह अभियान स्कूली वाहनों की सुरक्षा और फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बंदरों के हमले से गिरी बाइक, कृष्ण कुमार शर्मा एवं सुखदेव शर्मा घायल

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कृष्ण कुमार शर्मा घर से अमरोहा के लिए जा रहे थे। रास्ते में सरकड़ा कमाल से आगे प्राइमरी स्कूल के पास साइड से बंदर आपस में लड़ते हुए मोटर साइकिल के आगे आ गए। बंदरों को बचाने के चक्कर में चलती हुई बाइक गिर गई। और बाइक से गिरने से दोनों मामा भांजे भी सड़क पर गिर गए। गिरने के बाद बंदरों ने दोनों पर हमला कर दिया। गनीमत रही कि एक किसान अपने दो अन्य साथियों के साथ ट्रैक्टर से उधर पहुंच गया और कूदकर बंदरों को भगाया। निजी चिकित्सक से उपचार कराने के बाद दोनों गंतव्य की ओर रवाना हो गए।

नगर पालिका परिषद के उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने संभव दिवस के अंतर्गत की जनसुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की नगर पालिका परिषद के उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने सोमवार को शासन द्वारा निर्धारित संभव दिवस के अंतर्गत जनसुनवाई की। इस दौरान पालिका को प्राप्त 5 संदर्भों का त्वरित निस्तारण कराया गया। पत्रकारों से चर्चा में अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार ने नगर की सफाई व्यवस्था पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 में अमरोहा को उच्च रैंक दिलाने के लिए पालिका सक्रिय है। अब समस्त वार्डों में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण पूर्ण कर लिया गया है। नगर के विभिन्न स्थानों पर सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराया गया है।छह स्थानों पर मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर स्थापित कर कूड़े का पृथक्करण किया जा रहा है। घरेलू एवं व्यावसायिक मल टैंकों की सफाई के लिए फेकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट शुरू कर दिया गया है। नगर को 4 जोनों में विभाजित कर दो पालियों में व्यापक सफाई कार्य चल रहा है। नव विस्तारित क्षेत्रों में भी पर्याप्त कार्मिकों के साथ सफाई सुनिश्चित की जा रही है। नागरिक अपनी शिकायतें टोल फ्री नंबर 1533 या 1800-180-1318 पर दर्ज करा सकते हैं। साथ ही व्हाट्सएप नंबर 8189078097 पर समस्या भेज सकते हैं, जिसका तत्काल निस्तारण किया जाएगा।डॉ. बृजेश कुमार ने समस्त नगरवासियों से अपील की कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 में सक्रिय भागीदारी करें और अमरोहा नगर पालिका को बेहतर रैंक दिलाने में सहयोग दें।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135 वीं जन्म जयंती हर्षोल्लास से उत्सव के रूप में मनाई गई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद भर में संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ० भीमराव आंबेडकर जी की जयंती हर्षोल्लास से उत्सव के रूप में मनाई गई। डॉ० भीमराव रामजी आंबेडकर के 135वें जन्म दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा के पुष्प अर्पित किए गए। इसके साथ जिलाधिकारी के निर्देश पर विकास भवन सहित जनपद की सभी तहसीलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि बाबासाहेब के जीवन और सिद्धांतों को सिर्फ मनाने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने दैनिक कार्यों और व्यवहार में उतारना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बाबासाहेब का मुख्य संदेश समानता है, जिसमें अवसरों में समानता, न्याय में समानता और समाज में सबको बराबर का दर्जा। उन्होंने कहा, कोई विशेष जाति, वर्ग या क्षेत्र का होने के कारण किसी को ऊंचा या नीचा नहीं समझा जाना चाहिए। समानता का मतलब है कि हर व्यक्ति को समान अवसर और न्याय मिले। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि वे अपने कार्य क्षेत्र में समानता की दृष्टि से काम करें। हर समस्या को निष्पक्ष तरीके से देखें, खासकर अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। निधि गुप्ता वत्स ने महिलाओं के अधिकारों, संपत्ति, विवाह और शिक्षा जैसे मुद्दों पर बाबासाहेब के योगदान को याद करते हुए कहा कि संविधान में दिए गए प्रावधानों को लागू करना हमारा दायित्व है। जिलाधिकारी ने कहा, सच्चा अनुसरण वही है जब हम अपनी फील्ड में खड़े होकर न्याय दिलाएं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि इस जयंती पर हम न सिर्फ खुद अपने जीवन में बाबासाहेब के मूल्यों–समानता, न्याय और महिलाओं के अधिकार को अपनाएं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ी, खासकर बच्चों के मन में भी ये मूल्य डालें। ताकि वे भी एक बेहतर, समान और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण करें। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से सरकार की सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं को पारदर्शिता और समानता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के प्रमुख निमार्ता थे। उन्होंने समाज के हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर संविधान का निर्माण किया, जिसमें समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जीवन की सुरक्षा और सभी नागरिक अधिकार सुनिश्चित किए गए। उन्होंने बताया कि बाबासाहेब का जीवन अनेक संघर्षों से भरा था। इन्हीं संघर्षों ने उन्हें समाज को हर नजरिए से देखने की गहरी समझ दी, जिसके कारण वे संविधान में हर व्यक्ति के अधिकारों को शामिल कर सके। अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने जयंती की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने समानता और शिक्षा के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने अपील की कि हम भी अपने कर्तव्यों में इन मूल्यों को उतारें। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मसीहा नजम, शशिभूषण पाठक ने भी डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के जीवन और सिद्धांतों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी मो. दानिश, प्रशासनिक अधिकारी उपेंद्रनाथ त्रिवेदी सहित कलेक्ट्रेट परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

अधिकारों के लिए संघर्ष की प्रेरणा देता डॉ. भीमराव अंबेडकर का संविधान

बाबा साहब द्वारा दिए गए तीन मूल मंत्रों को अपनाएः– महेंद्र सिंह खड्गवंशी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- नगर के रहरा अड्डे पर 'डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति' के बैनर तले एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उत्सव का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी, चेयरमैन राजपाल सिंह सैनी, जिला उपाध्यक्ष अभिनव कौशिक और इंद्रेश देवी प्रबंधक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर भारी संख्या में स्थानीय लोग और गणमान्य नागरिक बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित करने पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि और क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने बाबा साहब के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन हमें संकल्प की शक्ति सिखाता है। उन्होंने बाबा साहब के उस प्रसिद्ध कथन को दोहराया जिसमें उन्होंने कहा था कि "शिक्षा उस शेरनी का दूध है, जो इसे जितना पिएगा, वह उतना ही दहाड़ेगा। विधायक महेंद्र सिंह खड्गवंशी ने जोर देकर कहा कि यदि हम वास्तव में बाबा साहब को सम्मान देना चाहते हैं, तो हमें अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का संकल्प लेना चाहिए। बिना शिक्षा के सामाजिक और आर्थिक उन्नति संभव नहीं है। हसनपुर नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब ने न केवल दलितों, बल्कि महिलाओं और मजदूरों के अधिकारों के लिए भी ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उनके द्वारा बनाए गए संविधान के कारण ही आज हर भारतीय को समानता का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश जिस गर्व के साथ बाबा साहब की जयंती मना रहा है, वह उनके संघर्षों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक तरीका है। अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम एकता और भाईचारे का प्रतीक ही नहीं बल्कि बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने का है।हम सभी को बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। शोभायात्रा में बाबा साहब संविधान लिखते हुए,बाबा पत्नी रमाबाई के साथ बैठे हुए, गौतम बुद्ध की झांकी,संत रविदास की झांकी, रानी लक्ष्मीबाई की झांकी,भारत माता की झांकी,चना जोर गरम की झांकी,बोबी बैन्ड आदि झांकियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख हसनपुर ममता गुर्जर, क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र सिंह खड़गवंशी, शिखर अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, मुकेश गुप्ता,अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह,अंबेडकर विकास मंच के अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य, जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार गौतम,चंचल सागर, जयपाल सिंह,दिनेश गौतम, अम्बेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह, अम्बेडकर विकास मंच के अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य, हीरा सिंह,मुखराम सिंह,अरविंद अन्ना, मुकेश गुप्ता,जयवीर सिंह,रोहताश सिंह, रामपाल सिंह, रामनारायण,मुकेश जाटव, लवी सागर,जगत सिंह, चमन लाल एडवोकेट,सतेन्द्रपाल एडवोकेट,नवाब सैफी, जयवीर सिंह, लवी सागर,विजय गौतम, राजेश कुमार, करणवीर सिंह,मनोज कुमार, पवनराज जाटव, डॉ अशोक कुमार,रूपराम सिंह, मुकुल जाटव,जगवीर मौर्य, राजेन्द्र सिंह,अजब सिंह एडवोकेट, मयंक प्रताप,अतर सिंह नेताजी,पवन एडवोकेट, सुरेश चंद्र, अंकुर सेठी,संजीव कुमार, सतवीर सिंह, मुरारी लाल,सरदार सिंह, नन्द किशोर, अतुल अग्रवाल, सचिन गुप्ता,आदि मौजूद रहे।

अंबेडकर पार्क पर मनाई गई बाबा साहेब की 135वीं जयंती

अमरोहा (सब का सपना):- भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती मंगलवार को धूमधाम के साथ मनाई गई। अमरोहा शहर के अंबेडकर पार्क में सुबह से ही भारी संख्या में लोग पहुंचकर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे थे। माल्यार्पण, पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलन के साथ उनकी प्रतिमा पर फूल चढ़ाए जा रहे थे। इस दौरान लोग बाबा साहब के जीवन और उनके द्वारा रचे गए इतिहास को याद करते रहे। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान की रचना कर देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक ढांचा दिया। उन्होंने दलित, पिछड़े और गरीब वर्गों के अधिकारों के लिए अथक संघर्ष किया। सामाजिक समानता, शिक्षा और न्याय के प्रतीक बाबा साहब ने ह्यशिक्षित बनो, संघर्ष करो, संगठित होह्न का संदेश दिया, जो आज भी प्रासंगिक है। अंबेडकर पार्क में विभिन्न सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान जिले भर से लोग आए और बाबा साहब के आदर्शों को अपनाने की शपथ लेकर उनके आदर्शों पर चलने का आहवान किया।

4 सब का सपना हिंदी दैनिक
सम्भल
अमरोहा
बुधवार 15 अप्रैल 2026
www.sabkasapna.com

ग्राम पथरा के विद्यालय में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- मंगलवार को नगर के ग्राम पथरा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संचालक महानंदन गौतम, शिक्षक सुभाष भारती एवं प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया।

इस अवसर पर शिक्षक सुभाष भारती ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने समाज में समानता और न्याय स्थापित करने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। वहीं विद्यालय संचालक महानंदन गौतम ने कहा कि 14 अप्रैल को हर वर्ष उनकी जयंती इसलिए मनाई जाती है क्योंकि भारतीय संविधान के निर्माण में उनका अमूल्य योगदान रहा है और उन्होंने दलित समाज के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए।

प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब ने संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभाई, जिसके कारण आज देश सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं को मिले शिक्षा और अधिकारों का उल्लेख करते हुए बच्चों को बाबा साहब के तीन मूल मंत्रों–शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो–पर चलने का संकल्प दिलाया।

शिक्षक प्रवीन कुमार ने बताया कि बाबा साहब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था और उन्होंने जीवनभर सामाजिक भेदभाव का सामना करते हुए भी हार नहीं मानी। उनका संघर्षपूर्ण जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। शिक्षक नीरज कुमार शर्मा ने कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी युवाओं को जीवन की कठिनाइयों से लड़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में शिक्षक सत्यपाल सिंह, सत्येंद्र सिंह, शिव गणेश शर्मा, अश्वनी शर्मा, रिनी अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, शशि कुमार भारद्वाज, रमन शर्मा सहित अनेक शिक्षकों व छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने की, जबकि मंच संचालन शिक्षक प्रवीन कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान विद्यालय परिवार के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और सभी ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली का किया गया आयोजन

प्राथमिक विद्यालय ढकारी मढ़ैयाँ में बच्चों ने दिया हर बच्चा स्कूल चले का संदेश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- विकास क्षेत्र बहजोई के प्राथमिक विद्यालय ढकारी मढ़ैयाँ में सोमवार को स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गांव में भ्रमण कर लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। रैली के दौरान बच्चों ने हाथों में बैनर लेकर आकर्षक नारों के माध्यम से शिक्षा का महत्व बताया। अच्छे बच्चे तभी बनेंगे जब हम सब स्कूल चलेंगे,घर-घर में चिराग जलेगा, हर बच्चा स्कूल चलेगा तथा पापा सुन लो विनय हमारी, पढ़ने की है उम्र हमारी जैसे संदेशों ने ग्रामीणों का ध्यान आकर्षित किया।

विद्यालय स्टाफ ने भी शिक्षा के प्रति लोगों को प्रेरित करते हुए घर-घर शिक्षा दीप जलाओ, अपने बच्चे सब पढ़ाओ और पढ़ने का तुम करो जतन, शिक्षा है अनमोल रतन जैसे स्लोगन के माध्यम से जागरूकता फैलाई।

इस मौके पर अभिभावकों को सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई, जिसमें निशुल्क एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा, स्वच्छ वातावरण, मुफ्त पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, बैग, मध्याह्न भोजन के साथ फल एवं दूध शामिल हैं। साथ ही बताया गया कि प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान की जाती है। विद्यालय परिवार ने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों का नामांकन नजदीकी सरकारी विद्यालय में अवश्य कराएं, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह सके। इस दौरान समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

कलक्ट्रेट सभागार में बाबा साहब की जयंती पर सामाजिक समरसता व जनकल्याण योजनाओं पर हुआ मंथन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में मंगलवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में डॉ. भीमराव आंबेडकर के जन्मोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता, संविधान के मूल्यों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श करना रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत जिलाधिकारी द्वारा बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर का जीवन संघर्ष, समानता और न्याय का प्रतीक है तथा उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ पहुंचाना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने समाज को जोड़ने वाले विचारों को अपनाने और भारतीय संस्कृति की समावेशी परंपरा को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कहा कि बाबा साहब सामाजिक समरसता और संघर्ष के प्रतीक हैं, जिनसे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार, जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह, वक्फ निरीक्षक परविंदर कुमार तथा पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और अपने-अपने विभागों की योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही सामाजिक जागरूकता और जनसहभागिता बढ़ाने पर बल दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजीव कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग लखनऊ से आए कलाकारों ने नारी सशक्तिकरण एवं महिलाओं से संबंधित योजनाओं पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को जागरूक किया।

इस दौरान डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नवागंतुक एएसपी मनोज कुमार रावत ने बहजोई व धनारी थानों का किया निरीक्षण

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में नवागंतुक अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत द्वारा सोमवार को थाना बहजोई एवं थाना धनारी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर का भ्रमण कर कार्यालय, अभिलेखों व व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण के दौरान एएसपी ने थाना परिसर में आगन्तुकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही यक्ष ऐप सहित अन्य व्यवस्थाओं की अद्यतन जानकारी ली गई और अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फरियादियों को शीघ्र एवं संतोषजनक न्याय उपलब्ध कराया जाए।

इस दौरान एएसपी ने थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम भवन में पहुंचकर डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के संबंध में ग्रामीणों से संवाद किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

इस मौके पर क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सपा कार्यालयों पर मनाई गई डॉ. अंबेडकर जयंती, संविधान रक्षा का लिया संकल्प

बाबा साहब का संविधान देश की आधारशिला है :– फिरोज खां

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में समाजवादी पार्टी द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती विभिन्न स्थानों पर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई।

कैंप कार्यालय बहजोई-चंदौसी रोड भरतरा चुंगी पर आयोजित बैठक में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी सहित पदाधिकारियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण किया। अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, समानता और न्याय का प्रतीक है। उन्होंने समाज से भेदभाव मिटाने और संवैधानिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने सभी को जयंती की शुभकामनाएं देते हुए बाबा साहब के शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो के संदेश को अपनाने पर जोर दिया। बैठक की अध्यक्षता असगर अली अंसारी व संचालन कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। इस दौरान वरिष्ठ नेता सतीश प्रेमी, विमलेश कुमारी, मुनशाद पासा, उमेश यादव, संजीव यादव सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वहीं दूसरी ओर सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खां द्वारा अपने कार्यालय व अंबेडकर पार्क पक्का बाग बहजोई रोड पर बाबा साहब की जयंती पीडीए दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र व प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान की रक्षा का संकल्प लिया गया।

फिरोज खां ने कहा कि बाबा साहब का संविधान देश की आधारशिला है और समाजवादी पार्टी हमेशा इसके संरक्षण के लिए संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने सभी कार्यकताओं से एकजुट होकर सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में सपा कार्यकताओं ने भाग लिया और समानता, न्याय व बंधुत्व के मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया।

स्कीम का लाभ न देने पर वी-मार्ट रिटेल प्रबंधक के खिलाफ वारंट जारी

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- त्योहारी स्कीम का लाभ न देने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग सम्भल ने सख्त रुख अपनाते हुए वी- मार्ट रिटेल के प्रबंधक के खिलाफ वारंट जारी किए हैं।

मामले के अनुसार, चंदौसी निवासी अनमोल वार्ष्णेय ने वी-मार्ट रिटेल द्वारा चलाई जा रही स्कीम के तहत दो बार 2500-2500 रुपये की खरीदारी की और प्रत्येक बार 99 रुपये अतिरिक्त भुगतान किया। स्कीम के अनुसार उन्हें 1000 रुपये मूल्य के दो बैग मिलने थे, लेकिन प्रबंधक द्वारा बैग खत्म होने की बात कहकर बाद में देने का आश्वासन दिया गया। कई बार चक्कर लगाने के बावजूद स्कीम का लाभ न मिलने पर पीड़ित ने उपभोक्ता मामलों के अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया। इसके बाद जिला उपभोक्ता आयोग सम्भल में परिवाद दाखिल किया गया। आयोग ने 5 अप्रैल 2025 को आदेश जारी करते हुए वी-मार्ट प्रबंधन को निर्देशित किया कि बैग की कीमत 2000 रुपये, उस पर परिवाद की तिथि से 7% वार्षिक ब्याज सहित दो माह के भीतर अदा की जाए। साथ ही, समय पर भुगतान न करने पर 9% ब्याज, 10,000 रुपये मानसिक व आर्थिक क्षति तथा 5,000 रुपये वाद व्यय के रूप में देने के आदेश दिए गए थे।

आदेश के बावजूद अनुपालन न होने पर अधिवक्ता द्वारा पुनः आयोग में शिकायत की गई। सुनवाई के दौरान वी-मार्ट प्रबंधन की ओर से कोई उपस्थित न होने पर आयोग ने प्रबंधक के विरुद्ध वारंट जारी करने के आदेश दे दिए।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने का संकल्प,जनपद में जागरूकता अभियान तेज

सम्भल (सब का सपना):- अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जनपद में बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की सहयोगी प्रयत्न संस्था समाज को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

संस्था द्वारा पिछले दो वर्षों से गांव-गांव, मोहल्लों और स्कूलों में रैलियां, बैठकें और शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान में धर्मगुरुओं, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों और युवाओं को जोड़कर सामुदायिक स्तर पर बाल विवाह पर रोक लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

संस्था ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 18001027222 (जेआरसी), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) या 112 (पुलिस कंट्रोल रूम) पर सूचना दें।

संभल प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने कहा कि अक्षय तृतीया शुभ कार्यों का प्रतीक है, लेकिन बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को बढ़ावा देना गलत है। उन्होंने कहा कि इस बार संकल्प लें कि इस दिन कोई भी बाल विवाह न हो और समाज मिलकर बच्चों के अधिकारों की रक्षा करे। जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस के सहयोग से प्रयत्न संस्था लगातार निगरानी भी कर रही है, ताकि बाल विवाह की घटनाओं को पूरी तरह रोका जा सके।

बहजोई में धूमधाम से निकली बाबा साहब अंबेडकर जयंती शोभायात्रा, डीएम ने किया शुभारंभ

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में बहजोई नगर में मंगलवार शाम भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शोभायात्रा का शुभारंभ बंबा रोड से जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया द्वारा किया गया।

शोभायात्रा में करीब डेढ़ दर्जन आकर्षक झांकियां शामिल रहीं, जिन्होंने बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और सामाजिक समरसता के संदेश को दर्शाया। यात्रा बंबा रोड से प्रारंभ होकर होली चौक, नया बाजार, कोतवाली रोड, सराफा रोड, पुराना बाजार, डाकखाना रोड होते हुए पुनः नया बाजार के रास्ते बंबा रोड पहुंचकर सम्पन्न हुई। पूरे मार्ग में जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। जुलूस मार्ग पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, वहीं संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा, जिससे शोभायात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

शोभायात्रा में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता एवं समाजसेवी भी शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में कमेटी अध्यक्ष दर्शन कुमार सभासद, महामंत्री लक्ष्मी बाबू, कोषाध्यक्ष अंतर सिंह, प्रताप सिंह, रमेश चंद्र, श्रीराम मास्टर, विनोद कुमार, सतीश गौतम, प्रशांत गौतम, भगवान दास, शिवम, स्वराज सिंह, रोहतास, धानू, राजेंद्र, डालचंद, नवीन गौतम, राजेश कुमार, आशीष सागर सहित कमेटी के सभी पदाधिकारियों और वरिष्ठ सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया।

नगर में निकली इस भव्य शोभायात्रा ने सामाजिक एकता, भाईचारे और बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना रहा।

आरसेटी में सामान्य ईडीपी प्रशिक्षण बैच का समापन, युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- आरसेटी संस्थान, बहजोई(सम्भल) में 9 अप्रैल से संचालित सामान्य ईडीपी (उद्यमिता विकास कार्यक्रम) बैच का मंगलवार को समापन किया गया। इस प्रशिक्षण में जनपद के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को स्वयं का उद्यम शुरू करने से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही रिंग टॉस, टॉवर बिल्डिंग, वोट मेकिंग एवं माइक्रो लैब जैसे खेलों के माध्यम से प्रशिक्षुओं में जोखिम लेने की क्षमता, आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने की योग्यता विकसित करने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को वर्तमान में संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत बैंक से ऋण प्राप्त कर स्वरोजगार शुरू करने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई, जिससे वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें।

इस दौरान संस्थान द्वारा प्रशिक्षुओं के लिए नाश्ता एवं दोपहर के भोजन की भी व्यवस्था की गई। प्रशिक्षण समापन पर प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए अपने अनुभव साझा किए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में धूमधाम से मनाई गई भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में आज 14 अप्रैल 2026 को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन अधीक्षक डॉ. बी. के. स्नेही के नेतृत्व में किया गया, जिसमें समस्त स्वास्थ्य कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. बी. के. स्नेही एवं अन्य वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि ऐसे महान विचारक और समाज सुधारक का जन्म भारत भूमि पर हुआ, जिन्होंने अपने ज्ञान, संघर्ष और दृढ़ संकल्प के बल पर समाज को समानता, न्याय और अधिकारों का मार्ग दिखाया। वक्ताओं ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कीं। मुंबई विश्वविद्यालय से स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने के पश्चात उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय (अमेरिका) से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उनका शोध विषय ह्यब्रिटिश भारत में प्रांतीय वित्त का विकेंद्रीकरणह्न था।

बाबा साहेब को भारतीय संविधान का शिल्पकार माना जाता है। उनके द्वारा निर्मित संविधान आज देश की प्रशासनिक व्यवस्था का आधार है, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर प्रदान करता है। उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम में डॉ. राकेश कुमार, डॉ. हासिम, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, धीरेन्द्र सिंह, योगेश कुमार, हरीश कुमार, प्रदीप रावत, दुशाला शर्मा, अनीता देवी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में सभी ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने और समाज में समानता, शिक्षा एवं जागरूकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

अंबेडकर जयंती पर समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प, कलेक्ट्रेट और विकास भवन में गूंजे बाबा साहब के विचार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट और विकास भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पूरे उत्साह, गरिमा और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित मुख्य कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी जसजीत कौर ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी द्वारा बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक महान विधिवेत्ता ही नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे, जिन्होंने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए आजीवन संघर्ष किया।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब के आदर्श हमें एक ऐसे समाज की परिकल्पना करने की प्रेरणा देते हैं, जहां सभी वर्गों को समान अवसर और सम्मान प्राप्त हो। उन्होंने वंचित वर्गों के सशक्तिकरण, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक भेदभाव के उन्मूलन में उनके योगदान को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि आज भी उनके विचार पूरी तरह प्रासंगिक हैं।

जिलाधिकारी ने सभी से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में समानता, न्याय और भाईचारे को मजबूत करें तथा वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) वान्या सिंह एवं प्रशासनिक अधिकारी उमेश विज ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बाबा साहेब के योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्रशासनिक अधिकारी सलाहुद्दीन द्वारा किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसी क्रम में विकास भवन परिसर में भी अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने बाबा साहब के विचारों और उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में उपायुक्त मनरेगा आर.बी. यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी जागेश्वर सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कारी पर शर्मनाक आरोप, मासूम छात्रा के साथ छेड़छाड़ का कथित आरोपी गिरफ्तार

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के स्योहारा क्षेत्र में एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने समाज को अंदर तक हिला दिया है। जिस व्यक्ति के पास बच्चे शिक्षा और संस्कार पाने के लिए भेजे जाते थे, उसी पर एक मासूम छात्रा के साथ कथित रूप से अश्लील हरकत करने का आरोप लगा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी एक मुजाहिद कारी (धार्मिक शिक्षक) है, जो बच्चों को उर्दू और कुरआन पाक की तालीम देता है। पीड़ित परिवार की पुत्री, जो कक्षा 10 की छात्रा है, पढ़ाई के लिए उसके घर जाया करती थी।

आरोप है कि घटना वाले दिन शिक्षक ने किसी बहाने से बच्चे को छत पर भेज दिया और छात्रा को कमरे के अंदर ले जाकर उसके साथ अशोभनीय हरकत करने लगा। मासूम के विरोध और रोने पर आरोपी ने उसे डराने-धमकाने की कोशिश की।

किसी तरह घर पहुंचकर छात्रा ने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई। घटना की जानकारी होने पर परिवार सन्न रह गया और तुरंत आरोपी के घर पहुंचकर विरोध दर्ज कराया। लेकिन वहां मामला सुलझने के बजाय और बिगड़ गया।

पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि आरोपी पक्ष के एक युवक ने गाली-गलौज करते हुए न केवल झगड़ा किया बल्कि कानूनी कार्रवाई करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।

इसके बाद परिजन थाने पहुंचे और पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मुकदमा दर्ज कर कथित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

यह घटना केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि समाज के उस भरोसे पर भी गहरी चोट है, जहां माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षा और संस्कार सीखने के लिए भेजते हैं। जब शिक्षक ही मयार्दा तोड़ दे, तो सवाल पूरे तंत्र पर उठता है।

स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्त और त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह की हरकत करने से पहले सौ बार सोचे।

धामपुर में भारतीय मजदूर संघ का जिला सम्मेलन सम्पन्न, श्रमिक हितों को लेकर उठी बुलंद आवाज

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में भारतीय मजदूर संघ (इटर) का वार्षिक जिला सम्मेलन धूमधाम से आयोजित किया गया, जिसमें श्रमिकों की समस्याओं, वेतनमान और संगठन विस्तार को लेकर गंभीर मंथन हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ने की, जबकि संचालन जिलामंत्री राजवीर सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश चीनी मिल मजदूर संघ के महामंत्री विजेंद्र सिंह ने श्रमिक हितों को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि भारतीय मजदूर संघ हमेशा देश, उद्योग और मजदूर के हित में कार्य करता आया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में श्रमिकों के लिए समान वेतनमान की अत्यंत आवश्यकता है, जबकि उत्तर प्रदेश में चीनी मिल श्रमिकों की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है। उन्होंने वेतन पुनरीक्षण में हुई मात्र 1700 रुपये की बढ़ोतरी को महंगाई के मुकाबले बेहद अपर्याप्त बताया।

जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रदेश में चीनी मिल श्रमिकों का वेतन अभी भी 30 हजार रुपये से कम है, जिससे उनका जीवन यापन कठिन होता जा रहा है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि बैंक सेक्टर में संगठन विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने हर माह दो नई यूनियनों के पंजीकरण का आह्वान किया।

सम्मेलन में आशा एवं संगिनी बहनों की समस्याएं भी प्रमुखता से उठाई गईं। जिलाध्यक्ष बेबी रानी ने आशा कार्यकत्रियों के मानदेय को समय पर देने और उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। वहीं समूह सखी जिलाध्यक्ष मंजू देवी ने दो वर्षों से लंबित मानदेय को तत्काल जारी करने की मांग रखी।

सम्मेलन में श्रमिक एकता, अधिकारों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया।

डिबाई में मनाई गई बाबा साहेब की 135 वी जयंती

गांव डिरौरा में बाबा साहेव की प्रतिमा का अनावरण

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय संबिधान के निमार्ता महानायक बाबा साहेब डॉ० भीमराव अम्बेडकर की 135 वी जयंती बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।इस दौरान डिबाई क्षेत्र में अनेकों जगह डिबाई विधायक सीपी सिंह लोधी ने भाजपा कार्यकताओं सहित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण उनके बनाए गये संबिधान पर चलने का आह्वान किया।इसी क्रम में डिबाई विधायक सीपी सिंह लोधी द्वारा डिबाई क्षेत्र के गांव डिरौरा में बाबा साहेब डॉ० भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। इस दौरान हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी डिबाई के कुबेर इण्टर कॉलेज से बाबा साहेब की शोभायात्रा भी निकाली गई जहां उनके अनुयाईयों ने बैण्ड बाजों की धूनपर खुब रंग उडाकर खुब धमाल मचाया।

इस दौरान भोला भैया एडवोकेट,हुकुम सिंह लोधी,विनेश लोधी,अनार सिंह (डिबाई ब्लाक प्रमुख पति) मलखान सिंह लोधी(भाजपा जिला किसान मोर्चा उपाध्यक्ष)मिठ्ठन लाल एडवोकेट,विजय गौतम,वीरेन्द्र कुमार लोधी,रूपेन्द्र कुमार लोधी, कयामुद्दीन गाजी पूर्व डिबाई नगर पालिका अध्यक्ष,हरि मोहन बार्ष्णेय (हरि भैया)आदि नगर के सैकडों सम्मानित नागरिक मौजूद रहे।

सामाजिक समानता के अग्रदूत थे बाबा साहबः- लक्ष्य गौतम

जाटव मोहल्ले में धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

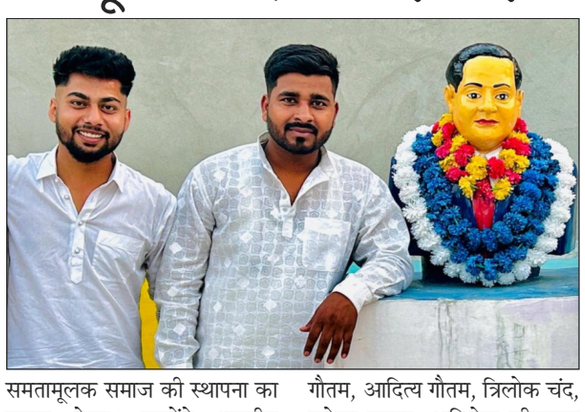

बुलन्दशहर (सब का सपनाः- भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भूड़ स्थित जाटव बस्ती नजीमपुरा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान भंडारे का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों को याद करते हुए उन्हें सामाजिक समानता का महान अग्रदूत बताया।

प्रदेश सचिव समता मूलक संघ लक्ष्य गौतम ने कहा कि बाबा साहब ने जाति और वर्ण व्यवस्था के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया और एक समतामूलक समाज की स्थापना का सपना देखा। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से वंचित, शोषित और दलित वर्ग को अधिकार दिलाने का कार्य किया।

इस अवसर पर आशीष कुमार, हर्षवर्धन, आनंद कुमार, रोहित गौतम, आदित्य गौतम, त्रिलोक चंद, राकेश कुमार, अभिषेक जीनवाल समेत अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में संविधान के मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

त्रिलोक चंद ने बाबा साहब को आधुनिक युग में अधिकारों का अग्रदूत बताते हुए कहा कि उन्होंने जीवनभर अछूतों के उत्थान के लिए संघर्ष किया। वहीं राकेश कुमार ने कहा कि बाबा साहब एक निर्भीक और क्रांतिकारी व्यक्तित्व थे, जिन्होंने समाज में समानता और न्याय की नींव मजबूत की।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

इस दौरान अंकित जाटव, अश्वनी ठाकुर, समीर, सुरेश, भूदेव, मनीष सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फायर स्टेशन धामपुर में शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि, जागरूकता रैली निकाली गई

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर याद की गई 1944 मुंबई बंदरगाह की वीरता गाथा

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- फायर स्टेशन धामपुर में आज अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद अग्निशमन कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपात सेवा मुख्यालय, लखनऊ तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी बिजनौर के निदेर्शानुसार किया गया।

इस अवसर पर वर्ष 1944 में Bombay Dock Explosion की दर्दनाक घटना को स्मरण किया गया, जब मुंबई बंदरगाह पर फोर्ट स्टिकीन नामक मालवाहक जहाज में आग लगने के दौरान हुए भीषण विस्फोट में 66 अग्निशमन कर्मी वीरगति को प्राप्त हो गए थे। इन जांबाजों ने अपनी जान की परवाह किए बिना कर्तव्य का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। फायर स्टेशन धामपुर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके साहस एवं कर्तव्यनिष्ठा को नमन किया। इसी अवसर पर 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाए जाने वाले अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम के तहत प्रभारी अग्निशमन अधिकारी धामपुर के नेतृत्व में समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी अग्निशमन वाहनों के साथ नगर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर जागरूकता रैली निकालते हुए नजर आए। इस दौरान आमजन को आग से बचाव एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए पम्पलेट वितरित किए गए तथा आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने आम जनता से अपील की कि वे आगजनी की घटनाओं से बचाव के लिए सतर्क रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अग्निशमन सेवा की सहायता लें।

बाबा साहब के जन्म दिवस व पिता की पुण्यतिथि पर भंडारे का आयोजन

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- डॉक्टर भीमराव अंबेडकर (बाबासाहेब) ने समाज में व्याप्त असमानता, जातिवाद और छुआछूत के खिलाफ जो क्रांति जगाई, वह आज भी करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा स्रोत है। बाबा भीम का जीवन और संघर्ष मानवता, समानता और सामाजिक न्याय की एक मिसाल है। बाबा साहब के प्रेरणास्रोत स्वर्गीय पीतम सिंह गौतम की दूसरी पुण्यतिथि व बाबा डॉ भीमराव अंबेडकर के मौके पर कस्बे में भंडारे का विशाल आयोजन कराया गया। उक्त विचार दिल्ली हाईकोर्ट की एडवोकेट रेखा रानी ने पिता की याद में दूसरे भंडारे में व्यक्त किये।

कस्बा सहित क्षेत्र के संभ्रांत व बुद्धिजीवियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त कर बाबा साहब को पुष्प अर्पित किये। कस्बे की बेटी को सम्मान देते हुए मौजूदजनों ने अपना आशीर्वाद दिया। आयोजक कैलाश नाथ सिंघल ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अंबेडकर समिति अध्यक्ष एड झम्मन सिंह, जनता इंटर कालेज प्रबंधक रवि साहब, पूर्व चैयरमैन आफाकुररहीम खान, शमशाद अंसारी बसपा कार्यकर्ता, नीलम गौतम, शारिक अंसारी, भुटटू अंसारी, एड विजय कुमार गौतम, जगत देव, डॉ महेन्द्र सिंह, इमरान सैफी, महेन्द्र सिंह, सुभाष, अनिल, तेजवीर, अरूण, अनिल, रामसिंह, देवा प्रजापति उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकताओं ने मनाई अम्बेडकर जयन्ती

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी सहसपुर मंडल के कार्यकर्ताओ ने जिला मंत्री सुरेश चंद्र व मंडल अध्यक्ष खजान सिंह के नेतृत्व में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य में सहसपुर के गांव हरौली में डा. भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। मंडल अध्यक्ष खजान सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा की समता, न्याय और बंधुत्व के उच्च आदर्तों से आलोकित समरस एवं समावेशी समाज की आधारशिला रखने वाले भारतीय संविधान के शिल्पकार अंत्योदय और लोक-कल्याण के प्रति समर्पित बाबा साहब सच्चे अर्थों में माँ भारती के अमूल्य रह हैं।

उनका प्रेरक जीवन हम सभी के लिए सदैव पथप्रदर्शक रहेगा। इस अवसर पर सुरेश चंद जिला मंत्री, देशबंधु राजपूत, यादराम सिंह सैनी , प्रेमराज सिंह प्रजापति, भूपेंद्र चौधरी, ओमपाल सिंह,परमजीत सिंह,धर्मेंद्र सिंह ,राजेंद्र सिंह ,गजेंद्र सिंह,यश चौहान,सैक्टर संयोजक आदि उपस्थित रहे।

किसान ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक प्रबन्धक, शाखा बुटराडा की शिकायत

शामली (सब का सपना):- विकास खण्ड शामली के गांव फत्तेपुर निवासी मदनपाल पुत्र किसन नारायण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक प्रबन्धक, शाखा बुटराडा की शिकायत की।

मदनपाल ने अपने शिकायत पत्र मे बताया कि इमरान खा पुत्र फैय्याज निवासी बुटराडा ने अपनी कृषि भूमि खसरा संख्या 98 मे दर्ज समस्त हिस्सा मेरे हक मे इकरार नामा कर बेचना तय किया था। इकरार नामा 26/8/2010 को सब रजिस्ट्रार दफ्तर शामली मे हुआ था।बाद मे इमरान बैनामा से मुकर गया। जिसके कारण मदनपाल ने न्यायालय वाद

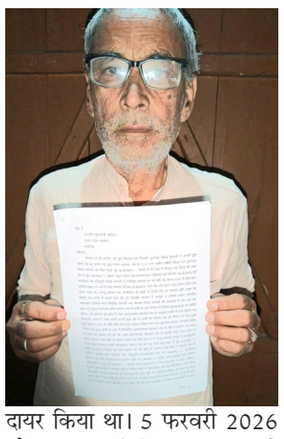

दायर किया था। 5 फरवरी 2026 को न्यायालय सिविल जज शामली ने मदनपाल के हक मे फैसला दिया। जिसकी जानकारी मदनपाल ने पत्राचार से सम्बन्धित अधिकारी अपर जिलाधिकारी शामली, अग्रणी बैंक प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा बुटराडा को दी व अनुरोध किया कि इमरान पुत्र फैय्याज अथवा इनके वारिसान को उक्त कृषि भूमि पर कोई भी लाभ ना दिया जाए। साथ ही इमरान व इसके वारिसानो ने झूठ बोलकर जो लाभ बैंक अथवा अन्य विभागो से लिया है उसकी वसुली कराये व वैधानिक कार्यवाही की जाए। परन्तु सम्बन्धित अधिकारीगणो ने कोई कार्रवाई नही की। इसी क्रम मे, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के बैंक मैनेजर ने शिकायत मिलने बाद भी मृतक इमरान खा के वारिसान अदीबा खा, अब्दुला खा, इरमखान, मौ सलमान खा, फरीया खा व रुकैया खा को रुपये 198000 प्रत्येक को 23 मार्च को ऋण दे दिया। जबकि न्यायालय के आदेशानुसार उक्त भूमि का पुर्णत मालिक मदनपाल है।

साथ ही मदनपाल ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत अन्तर्गत प्राप्त किस्तो को भी वारिसानो से वापस कराने की मांग अपने अनुरोध पत्र भेजकर की है।

मदनपाल ने अपने अनुरोध पत्र के साथ सभी साक्ष्य भी भेजे है व मुख्यमंत्री से जांच कराकर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक प्रबन्धक व आरोपियो के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

बुलन्दशहर (सब का सपना):- गांव आसफपुर नार जहांगीरपुर में 14 अप्रैल 2026 को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही उत्साह और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी रहे, जबकि संचालन जिला प्रवक्ता सुदेश

प्रधान ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे, किसान, मजदूर और युवा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मांगेराम त्यागी एवं चौधरी कुलदीप गुड्डू ने बाबा साहेब के जीवन और उनके विचारों पर प्रकाश डालते हुए लोगों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का पटका पहनाकर और बाबा साहेब का चित्र भेंट कर सम्मान किया गया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष शमीम मीनू, मोइनुद्दीन, गौरव, कालू सहित अनेक गणमान्य लोग और बाबा साहेब के अनुयायी मौजूद रहे।

टूटी सड़क बनवाने की ग्रामीणों ने डीएम से की मांग

अहमदगढ़/बुलंदशहर (सब का सपना):- शिकारपुर तहसील क्षेत्र के गांव हजरतपुर नगला और मामऊं को जाने वाले संपर्क मार्ग की जर्जर हालत ग्रामीण परेशान।

गांव मामऊं और नगला हजरतपुर को जाने वाले संपर्क में गहरे गड्ढे बने हैं राहगीरों का पैदल चलना हुआ दूभर यह मार्ग दोनों गावों की तरफ

करीब एक एक किलो मीटर टूटा हुआ पड़ा है विभागीय जिम्मेदार अधिकारी बेखबर है। मामऊं एवं नगला हजरतपुर के ग्रामीणों ने डीएम से जांच कराकर टूटी सड़क बनवाने की मांग की है। मांग करने वालों में पिंटू चौधरी कपिल नीरज कुमार बंटी इंद्रपाल सिंह नरेश कुमार सुमरपाल सिंह धर्मेंद्र शर्मा आदि ने की

गांव में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना बहजोई क्षेत्र अंतर्गत गांव मुल्हेटा में संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ग्रामीणों ने एकजुट होकर बाबा साहेब को याद किया और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

जयंती का मुख्य कार्यक्रम वर्तमान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दिनेश कुमार एडवोकेट के आवास पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि और उपस्थित

ग्रामीणों व ग्राम प्रधान सोमवती दिवाकर ने केक काटकर बाबा साहेब की जयंती मनाई। इस मौके पर बाबा साहेब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा करते हुए उनके द्वारा समाज में दिए गए योगदान को याद किया गया।बाबा साहेब की जयंती मनाने के लिए गांव के नागरिक और काफी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोग उपस्थित रहे कल्लू कश्यप,सारीफ सैफी,अखिलेश कश्यप,बिंटू दिवाकर,रहीश, इदरीश सैफी,गिरिराज दिवाकर आदि लोग मौजूद रहे।

बेटियों के स्वास्थ्य के लिए विशेष पहल, HPV टीकाकरण अभियान शुरू

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिले में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने विशेष HPV टीकाकरण अभियान शुरू किया है। यह टीका 14-15 वर्ष की बालिकाओं के लिए पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. हरेंद्र बंसल ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर एक गंभीर लेकिन रोके जाने योग्य बीमारी है, जिसे समय पर टीकाकरण के माध्यम से काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों, शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं और अधिक से अधिक बालिकाओं को टीका लगवाने के लिए प्रेरित करें।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, यह टीका जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHCs) एवं जिला अस्पताल में निःशुल्क उपलब्ध है।

यमुनानगर में इंसानियत शर्मसार, घर में घुसकर नाबालिग से दुष्कर्म; आरोपी मोसीन गिरफ्तार

रादौर। घर में घुसकर एक नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक ने परिवार के लोगों के गैर मौजूदगी में नाबालिग से दुष्कर्म किया और जब पड़ोस की एक महिला ने उसे देखा तो उसने वहां से भागने की कोशिश की लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने शिकायत पर आरोपित मोसीन के खिलाफ पोक्सो एक्ट व अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में नाबालिगा के पिता ने बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी घर पर अकेली थी। वह अपने काम पर गया हुआ था और मेरी पत्नी व बड़ी बेटी किसी काम से गए हुए थे।इस दौरान पड़ोस में रहने वाली एक महिला जब उनके घर गई तो उसने देखा कि एक युवक ने उनकी बेटी को मुंह दबाया हुआ है और उसके साथ जबरन गलत काम कर रहा है। उसने तुरंत हमें इसकी सूचना दी।महिला को घर में आया देख युवक वहां से फरार हो गया लेकिन कुछ देर बाद जब वह गली में खड़ा अपना आटो लेने के लिए आया तो हमने उसे पकड़ लिया। जिसने पूछने पर अपना नाम मोसीन बताया।

कांग्रेस का सामाजिक सरोकार, सिरसा की जेजे कॉलोनी की 200 महिलाओं को सांसद सैलजा ने बांटे सेनेटरी पैड

सिरसा। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस द्वारा सिरसा में मंगलवार को महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरित किए गए। जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष कृष्णा फौगाट की अध्यक्षता में जेजे कालोनी में गुरुद्वारा साहिब के समीप आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि सांसद कुमारी सैलजा शामिल हुई और 200 महिलाओं को योजना के तहत सेनेटरी पैड वितरित किए। सांसद सैलजा ने कहा कि कांग्रेस महज एक राजनीतिक दल ही नहीं बल्कि एक सामाजिक दायित्व निभाने वाली संस्था भी है जो समय समय पर ऐसे आयोजन कर आमजन को लाभ प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय महिला कांग्रेस द्वारा आरंभ की गई प्रियदर्शनी उड़ान योजना के तहत मंगलवार को देशभर में ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं, बहनों को लाभान्वित किया जा रहा है। सांसद ने कहा कि आम महिलाओं, बहनों को लाभ प्रदान करने वाला यह कार्यक्रम वर्षभर जारी रहेगा।इससे पूर्व जिला महिला कांग्रेस की प्रधान कृष्णा फौगाट ने मुख्यातिथि सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा का गर्मजोशी से अभिनंदन किया और इस योजना के तहत महिलाओं, बहनों के स्वास्थ्य संबंधी चिंता करने के लिए सांसद सहित राष्ट्रीय महिला कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की सराहना की।

हरियाणा में कॉन्स्टेबल के 5500 पदों के लिए दौड़ में 270000 युवा, 20 अप्रैल से शुरू होगा फिजिकल टेस्ट

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस में कॉन्स्टेबल के 5500 पदों के लिए अभ्यर्थियों का शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) 20 मार्च से शुरू होगा। पीएमटी की पूरी प्रक्रिया हाईटेक होगी। किसी भी युवा ने गड़बड़ी करने का प्रयास किया या "चालाकी" दिखाई तो जर्मन मशीनों और आरएफआइडी तकनीक से उसे तुरंत पकड़ लिया जाएगा। 20 अप्रैल से पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में शुरू होने वाले पीएमटी के लिए उम्मीदवारों की लंबाई और सीना मापने के लिए जर्मनी से विशेष सेंसर आधारित 25 मशीनें मंगाई गई हैं। इन मशीनों में लगे सेंसर सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी उम्मीदवार एड़ी उठाकर या गलत तरीके से अपना कद बढ़ाकर फायदा न ले सके। अगर कोई उम्मीदवार माप के दौरान हल्की सी भी चालाकी करता है, तो स्क्रीन पर तुरंत ह्यजीरोह्ण दिखेगा और उसे वहीं बाहर कर दिया जाएगा।इसके अलावा रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआइडी) तकनीक भी लागू की गई है। इससे हर उम्मीदवार की गतिविधि पर नजर रखी जाएगी और किसी भी तरह की गड़बड़ी को तुरंत पकड़ा जा सकेगा। यह तकनीक न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगी, बल्कि पूरी प्रक्रिया को तेज और व्यवस्थित भी बनाएगी।हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने पीएमटी को लेकर अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट एक्स पर जानकारी सार्वजनिक की है। भर्ती के लिए करीब 2.70 लाख युवाओं ने आवेदन किया है। भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए आयोग ने चरणबद्ध शेड्यूल तैयार किया है। शुरूआती दिनों में प्रतिदिन लगभग 1000 उम्मीदवारों को बुलाया जाएगा, जबकि बाद में यह संख्या बढ़ाकर 3000 तक कर दी जाएगी। टेस्ट का समय सुबह 6:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक रहेगा। एडमिट कार्ड 17 अप्रैल को जारी किए जाएंगे, जिससे उम्मीदवार अपनी तैयारी अंतिम रूप दे सकें। अभ्यर्थियों के लिए चलेंगी विशेष बसें

पांच सदस्यीय कमेटी करेगी उम्मीदवारों का चयन, हरियाणा निकाय चुनाव के लिए BJP की स्ट्रैटेजी तैयार; बैठक में हुआ मंथन

पंचकूला। हरियाणा बीजेपी के प्रदेश कार्यालय 'पंचकमल' में आज कोर ग्रुप की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने की। बैठक में आगामी निकाय चुनावों की रणनीति, संगठन के आगामी कार्यक्रमों और राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। निकाय चुनाव के लिए 'मिशन मोड' में बीजेपी

प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने स्पष्ट किया कि पार्टी निकाय चुनावों को लेकर पूरी तरह तैयार है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव के लिए निकाय चुनाव वाले क्षेत्रों के लिए एक विशेष कमेटी बनाई जाएगी। यह कमेटी 16 से 18 अप्रैल तक संबंधित निगम, परिषद और पालिकाओं का दौरा करेगी।इस बीच कमेटी स्थानीय विधायकों, वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात कर संभावित उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा करेगी और अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम मुहर लगाने के लिए 20 अप्रैल को प्रदेश चुनाव समिति की बैठक बुलाई गई है।संगठनात्मक चर्चा और विपक्षी घेराबंदी

बैठक के बाद वरिष्ठ बीजेपी नेता और पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने बताया कि बैठक में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम', पीएम के 'मन की बात' कार्यक्रम और डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के आयोजनों पर भी मंथन हुआ। पार्टी अंबेडकर जयंती को बूथ स्तर से लेकर राज्य स्तर तक बड़े उत्साह के साथ मना रही है। बैंक फ्रॉड मामला: पंचकूला नगर निगम के 160 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड पर बड़ौली ने कहा कि सरकार को पूरा पैसा ब्याज समेत वापस मिल चुका है और विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। कैप्टन अभिमन्यु का विपक्ष पर तीखा हमला

कैप्टन अभिमन्यु ने मंडियों में फसल खरीद की व्यवस्था को लेकर कांग्रेस और भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 से पहले हुड्डा सरकार में किसानों को दो-दो रुपये के चेक मिलते थे और खाद के लिए थानों से

पर्चियां कटवानी पड़ती थीं। आज किसानों के खातों में 24 से 48 घंटे के भीतर सीधे पैसा (DBT) पहुंच रहा है, जो पहले के समय में सपना था। कैप्टन ने कहा कि कहा कि विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध कर रहा है,

जबकि केंद्र सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक कदम उठा रही है।

हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की मुश्किलें बढ़ीं, इंडस्ट्रियल प्लॉट आवंटन मामले में केस चलाने की प्रक्रिया शुरू

पंचकूला। हरियाणा की राजनीति में एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। उछ्ठ लीडर भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं, क्योंकि औद्योगिक भूखंड आवंटन मामले में उनके खिलाफ केस चलाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार, यह मामला औद्योगिक प्लॉट के आवंटन से जुड़ा हुआ है, जिसमें अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे। अब इस मामले में कार्रवाई आगे बढ़ाई गई है और केस चलाने की अनुमति मिल गई है। बताया जा रहा है कि इस मामले में ल्वउअ (हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण) के दो अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस घटनाक्रम के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और विपक्ष भी इस मुद्दे को लेकर सक्रिय हो सकता है। फिलहाल जांच एजेंसियां मामले की आगे की प्रक्रिया में जुटी हुई हैं और आने वाले समय में इस केस में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। पंचकूला औद्योगिक भूखंड आवंटन मामले में ईडी की अभियोग शिकायत में हुड्डा को मुख्य साजिशकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि उसने अवैध आवंटन की वास्तव में योजना बनाई और चयनित आवंटियों के हित में पात्रता मानदंडों में बदलाव किया। आरोपी आवंटियों को हुडा से जोड़ते हुए, ईडी ने कहा कि रेनू हुड्डा और नंदिता हुड्डा उनके पैतृक गांव सांघी की रहने वाली थी। कंवर प्रीत सिंह संधू उनके सहपाठी डीडी संधू के बेटे थे। मोना बेरी उनके ओएसडी बलदेव राज बेरी की बहू थी। डॉ. गणेश दत्त रतन उनके साथ टेनिस खेलते थे और प्रदीप कुमार उनके निजी सचिव सिंह राम के बेटे थे। ईडी ने आगे दावा किया कि आवंटन पाने वाले अशोक वर्मा के ससुर, अशोक काका, कांग्रेस शासन के दौरान एचएएफईडी के अध्यक्ष थे और हुड्डा उन्हें जानते थे। अमन गुप्ता के पिता रमेश गुप्ता थानेसर के पूर्व विधायक थे और हुड्डा से अच्छी तरह परिचित थे।

लेफ्टिनेंट कर्नल ओपी दहिया (रिटायर) पूर्व कांग्रेस विधायक करण दलाल के रिश्तेदार हैं। डागर कात्याल के पिता सुनील कात्याल हरियाणा सेवा अधिकार आयोग में आयुक्त रह चुके थे और हुड्डा उन्हें जानते थे। मनजोत कौर न्यायमूर्ति एमएस सुल्लर (रिटायर) की बहू हैं, जो हुड्डा की परिचित थी। सिद्धार्थ भारद्वाज के पिता संजीव भारद्वाज 2004 में एचपीसीसी सचिव थे, 2005 में पार्टी छोड़ दी और 2016 में फिर से पार्टी में शामिल हो गए।

हरियाणा में शिक्षकों की जनगणना ड्यूटी पर बवाल, वरिष्ठता की अनदेखी और पढ़ाई प्रभावित होने का आरोप

पानीपत। जनगणना 2027 को लेकर सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की लगाई जा रही ड्यूटी अब विवाद का कारण बनती जा रही है। जिला प्रशासन पर आरोप है कि ड्यूटी लगाते समय न तो वरिष्ठता का ध्यान रखा गया है और न ही विद्यालयों के शिक्षण कार्य पर पड़ने वाले प्रभाव को समझा गया है। इसको लेकर शिक्षकों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। उन्होंने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) की प्रदेश उप प्रधान डा. सुषेन चौधरी ने बताया कि जनगणना ड्यूटी में कई गंभीर खामियां हैं। कई स्कूलों में पूरे स्टाफ को ही एन्यूमरेटर बना दिया है, जिससे विद्यालयों में पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित होने का खतरा है। उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यालय से सीमित संख्या में ही शिक्षकों को ड्यूटी पर लगाया जाना चाहिए।उन्होंने बताया कि कई शिक्षकों को एक साथ कई जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण के साथ-साथ जनगणना ड्यूटी भी दी है, जिससे एक ही शिक्षक पर तीन-तीन महत्वपूर्ण कार्यों का दबाव बन गया है। यह स्थिति कर्मचारियों के लिए असहनीय होती जा रही है।एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आपत्ति जताई कि पीजीटी शिक्षकों को प्रगणक की बजाय सुपरवाइजर की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए, कई स्थानों पर उन्हें सामान्य गणनाकर्ता के रूप में लगाया जा रहा है। साथ ही, लेक्चररों को उनके कार्यक्षेत्र से बाहर, उपमंडल से दूर तक ड्यूटी सौंपी जा रही है, जो उचित नहीं है। उन्होंने मांग की है कि ड्यूटी वरिष्ठता के आधार पर लगाई जाए और किसी भी विद्यालय से 50 प्रतिशत से अधिक स्टाफ को जनगणना कार्य में न लगाया जाए। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि दिव्यांग और गर्भवती महिला शिक्षकों को इस ड्यूटी से मुक्त रखा जाए। कई ब्लाकों में इनकी भी ड्यूटी लगा दी गई है। ऐसे में उनको परेशानी उठानी पड़ेगी। डॉ. चौधरी ने कहा कि पहले से ही सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के कई पद खाली पड़े हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी पर भेजना सीधे तौर पर विद्यार्थियों के भविष्य के साथ समझौता है।

फतेहाबाद में लाखों का गबन, बैंक की पार्टनर कंपनी के तीन अधिकारियों ने डकारे 7.29 लाख रुपये

फतेहाबाद। शहर में उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक की पार्टनर कंपनी एंबीशन सर्विस प्राइवेट लिमिटेड में सात लाख 29 हजार रुपये के गबन का मामला सामने आया है। कंपनी के एरिया कलेक्शन मैनेजर की शिकायत पर सिटी थाना पुलिस ने तीन अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गबन के बाद से आरोपित फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस को दी शिकायत में एरिया कलेक्शन मैनेजर अभय सिंह ने बताया कि उनकी कंपनी समूह लोन के तहत उपभोक्ताओं को ऋण उपलब्ध करवाती है। लोन देने के बाद हर माह उपभोक्ताओं से किश्तें कर्मचारियों द्वारा एकत्रित की जाती थीं।आरोप है कि संबंधित अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से किश्तें वसूलने के बाद रकम कंपनी के खाते में जमा नहीं करवाई और आपस में

सांठगांठ कर गबन कर लिया। मामले में गांव साधनवास निवासी कुलविंद्र, ऐलनाबाद क्षेत्र के गांव चिलकनी ढाब निवासी आनंद तथा गांव धोतड़ ढाणी निवासी गुरदास के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।कुलविंद्र कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर, जबकि आनंद और गुरदास सेंटर मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। जांच में सामने आया कि कुलविंद्र ने पांच लाख 19 हजार 378 रुपये, आनंद ने एक लाख 77 हजार 645 रुपये तथा गुरदास ने 32 हजार 500 रुपये की राशि गबन की। आरोप है कि यह रकम उन्होंने बैंक में जमा करवाने के बजाय निजी कार्यों में खर्च कर दी।

कंपनी ने पहले अपने स्तर पर जांच की और बाद में आरोपितों को लीगल नोटिस भेजे, लेकिन पैसे वापस नहीं मिले।

शहर थाना प्रभारी सुरेंद्रा ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि आरोपितों ने कितने उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी की है। आरोपितों की तलाश जारी है।

इन तीनों गुणों के होने से मनुष्य को कहते हैं चेतन

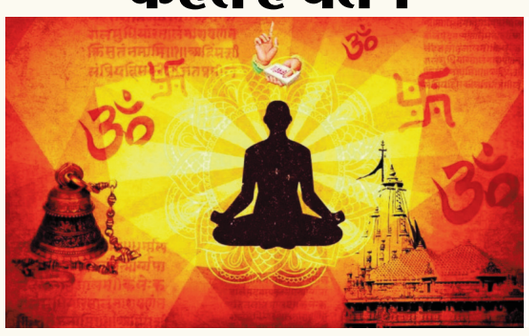

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत्+चित्+आनंद। संस्कृत में सत् का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात् वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित् का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दु:ख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दु:ख नहीं चाहता।

अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं। प्रश्न हो सकता है कि बताओ भगवान मिलेंगे कहां? ये भी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। कोई कहता है भगवान कण-कण में हैं, कोई कहता है कि भगवान मंदिर में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो हृदय में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो पर्वत की गुफा में, नदी में, प्रकृति में वगैरह।

वैसे जिस व्यक्ति के बारे में पता करना हो कि वह कहां रहता है, अगर वह स्वयं ही अपना पता बताए तो उससे बेहतर उत्तर कोई नहीं हो सकता। उक्त प्रश्न के उत्तर में भगवान कहते हैं कि मैं वहीं रहता हूं, जहां मेरा शुद्ध भक्त होता है। चूंकि हम सब के मूल में जो तीन इच्छाएं- नित्य जीवन, नित्य ज्ञान व नित्य आनंद हैं, वे केवल भगवान ही पूरी कर सकते हैं, कोई और नहीं। इसलिए हमें उन तक पहुंचने की चेष्टा तो करनी ही चाहिए।

भगवान स्वयं बता रहे हैं कि वह अपने शुद्ध भक्त के पास रहते हैं। अत: हमें ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और तुरंत ऐसे भक्त की खोज करनी चाहिए जिसके पास जाने से, जिसकी बात मानने से हमें भगवद्प्राप्ति का मार्ग मिल जाए। साथ ही हमें यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि कहीं वह भगवद्-भक्त के वेश में ढोंगी न हो। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि कलियुग में ऐसे गुरु बहुत मिलेंगे जो शिष्य का सब कुछ हर लेते हैं, परंतु शिष्य का संताप हर कर उसे सद्मार्ग पर ले आए ऐसा गुरु विरला ही मिलेगा।

किस जगह रखें कामधेनु की मूर्ति?

हमारे जीवन में वास्तु शास्त्र का महत्व काफी ज्यादा बताया गया है। कहा जाता है अगर किसी भी कार्य को करने से पहले या फिर करने के दौरान वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का पालन किया जाता है तो इसके परिणाम काफी शुभ और सकारात्मक होते हैं. वहीं, जब इन नियमों को नजरअंदाज किया जाता है तो इसके परिणाम भी उतने ही बुरे हो सकते हैं। सनातन धर्म के अनुसार कामधेनु गाय में देवी-देवताओं का निवास होता है। इसे घर पर रखने से इंसान की हर मनोकामना पूरी होती है। वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो जब आप इसे रखते हैं तो इससे सुख समृद्धि का वास आपके घर पर होता है.

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो आपको कामधेनु गाय की मूर्ति को अपने घर के ईशान कोण में रखना चाहिए। इसे सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। आप अगर चाहें तो कामधेनु गाय की मूर्ति को घर के पूजास्थल या फिर मुख्य द्वार पर रख सकते हैं। अगर आप मूर्ति नहीं रख पा रहे हैं तो ऐसे में तस्वीर लगाना भी काफी शुभ माना जाता है.

अगर आप अपने घर पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करने जा रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि वह सोना, चांदी, पीतल, तांबे या फिर मार्बल की बनी हुई हो। आप अगर चाहें तो चीनी मिटटी से बनी मूर्ति भी अपने घर पर रख सकते हैं। अगर आप अपने घर में सही जगह पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करते हैं तो इससे आपको वास्तु दोषों से छुटकारा मिल सकता है। केवल यहीं नहीं, जब आप इसे अपने घर पर रखना शुरू कर देते हैं तो आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो जाती है।

एकादशी व्रत का धार्मिक महत्व

चावल का सेवन न करने के कारण

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को अत्यंत पवित्र और फलदायी माना गया है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रद्धालु व्रत रखकर श्रीहरि की पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि विधिपूर्वक एकादशी व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। हालांकि, एकादशी व्रत के कई कठोर नियम होते हैं। इन्हीं में से एक

महत्वपूर्ण नियम है एकादशी के दिन चावल का सेवन न करना।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को प्रसन्न करने का सबसे प्रभावशाली उपाय माना गया है। यह व्रत आत्मशुद्धि, मन की एकाग्रता और आध्यात्मिक उन्नति के लिए किया जाता है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार, एक बार माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने अपना शरीर त्याग दिया। उनके शरीर के अंश धरती में समाहित हो गए। जिन स्थानों पर उनके शरीर के अंश गिरे, वहां से जौ और चावल उत्पन्न हुए। चूंकि ये अनाज महर्षि के शरीर से उत्पन्न माने गए, इसलिए इन्हें 'जीव' के समान समझा गया। मान्यता है कि एकादशी के दिन ये अन्न सजीव अवस्था में होते हैं। इस कारण इस दिन चावल का सेवन करना महर्षि मेधा के शरीर के अंश का सेवन करने के समान माना गया है।

धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख

पद्म पुराण और विष्णु पुराण में वर्णन मिलता है कि जो व्यक्ति एकादशी के दिन चावल का सेवन करता है, उसके संचित पुण्य फलों का नाश हो सकता है। इसी कारण श्रद्धालुओं को इस दिन चावल से परहेज करने की सलाह दी जाती है।

एकादशी व्रत में क्या खाएं?

एकादशी के दिन सामान्य अन्न का सेवन नहीं किया जाता। व्रती लोग फलाहार, दूध, मखाना, साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू का आटा आदि का सेवन करते हैं। कुछ लोग निर्जला व्रत भी रखते हैं। एकादशी व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का भी प्रतीक है। चावल का त्याग इसी परंपरा और पौराणिक मान्यता से जुड़ा हुआ है। श्रद्धालु नियमपूर्वक व्रत का पालन कर भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करते हैं।

भीगे पैर सोना धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया

इन्सान के स्वास्थ्य का शयन कक्ष से सीधा संबंध है। हमारे धर्म ग्रंथों में सोने के कुछ नियम बताए गए हैं। इनका पालन करने से शरीर में कोई रोग नहीं होता, साथ ही घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। मनुस्मृति में लिखा गया है कि सूने घर में अकेले नहीं सोना चाहिए। जहां बिल्कुल अंधेरा हो, वहां सोने से भी बचना चाहिए। साथ ही मंदिर और श्मशान में कभी नहीं सोना चाहिए। अच्छी सेहत के लिए सुबह जल्दी उठाना जरूरी है। कुछ लोगों की आदत होती है कि सोने से पहले पैर धोते हैं। यह अच्छा है, लेकिन भीगे पैर सोना धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया है। बताते हैं कि सूखे पैर होने से घर में लक्ष्मी आती है।

पलंग या खाट टूटा हो तो उस पर न सोएं। खाने के तुरंत बाद बिस्तर पर न जाएं। झूठे मुंह सोना अशुभ है। आप किस दिशा में सोते हैं, यह भी बहुत अहम है। पूर्व की तरफ सिर करके सोने से विद्या, पश्चिम की ओर सिर करके सोने से प्रबल चिन्ता, उत्तर की ओर सिर करके सोने से हानि व मृत्यु, तथा दक्षिण की तरफ सिर करके सोने से धन व आयु की प्राप्ति होती है।

कई लोगों को दिन में सोने की आदत होती है। इसे तुरंत छोड़ दें। दिन में तथा सुर्योदय एवं सुर्यास्त के समय सोने वाला रोगी और दरिद्र हो जाता है।

बायीं करवट सोना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। दक्षिण दिशा में पांव रखकर कभी नहीं सोना चाहिए। इस तरफ यम और दुष्टदेवों का निवास रहता है। इसका वैज्ञानिक कारण यह भी है कि मस्तिष्क में रक्त का संचार कम को जाता है।

सोते समय हदय पर हाथ रखकर नहीं सोना चाहिए। पैर पर पैर रखकर भी नहीं सोना चाहिए। माथे पर तिलक लगा है तो सोने से पहले उसे साफ कर लें। तिलक लगाकर सोना अच्छा नहीं माना जाता।

गणेश जी और मां काली को अत्यन्त प्रिय है लाल रंग का गुड़हल

वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में फूलों को पॉजिटिव एनर्जी आकर्षित करने वाला बताया गया है। आप भी अपने घर में खुशहाली के लिए कुछ चुनिंदा फूलों के पौधे लगाएं।

पूजा के लिए अधिकतर गेंदा का इस्तेमाल किया जाता है। वास्तु शास्त्र में इस पुष्प को शुभ माना जाता है, यही कारण है कि इससे घरों व मंदिरों की सजावट की जाती है। भगवान को चढ़ाया जाता है। आप भी इसे अपने घर में उत्तर-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। लाल रंग का गुड़हल गणेश जी और मां काली को अत्यन्त प्रिय है। कहा जाता है कि जहां कहीं भी यह पुष्प होता है, वहां पर समस्त प्रकार की नैगेटिव एनर्जी नष्ट हो जाती है। इसे घर में लगाने से पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बना रहता है।

चंपा के फूल हल्के पीले और सफेद रंग के आते हैं। इनमें बहुत हल्की लेकिन मधुर सुगंध होती है। यह भी भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। मोगरा के पुष्प में अत्यधिक तेज सुगंध होती है जो किसी का भी मन मोह लेती है। इस पुष्प के पौधे को घर में लगाने से लक्ष्मी का वास होता है। अत: इस पौधे को भी घर में लगाना चाहिए ताकि घर में सुख और समृद्धि आ सके। तुलसी का पौधा घर के मुख्यद्वार पर लगाने से घर में कोई भी ऊपरी बाधा प्रवेश नहीं कर सकती।

सुबह उठते ही शिवलिंग या शिव मूर्ति का दर्शन करें

सुबह उठते ही कुछ खास चीजें देखने या ध्यान में रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और शुभ लाभ मिलता है। यह चीजें वास्तु शास्त्र और भारतीय परंपराओं से जुड़ी होती हैं, जो दिन की शुरुआत को शुभ और ऊर्जा से भरपूर बना सकती हैं। इन सरल और कम खर्चीले उपायों को अपनाकर आप अपने घर में खुशहाली का वातावरण बना सकते हैं। ये चीजें न केवल घर में शुभ प्रभाव डालती हैं, बल्कि आपके पूरे दिन को मंगलमय और उन्नति की ओर मार्गदर्शित करती हैं।

वास्तु: सुबह उठते ही यदि आप भगवान शिव के शिवलिंग या मूर्ति का दर्शन करते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि का वास होता है। यह विशेष रूप से धन और मानसिक शांति लाने में मदद करता है। शिव के दर्शन से नकारात्मकता दूर होती है और हर तरह की परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

अन्य लाभ: विशेष रूप से महाशिवरात्रि के दिन इस उपाय का महत्व बढ़ जाता है। घर में आकर यह ऊर्जा घर के प्रत्येक सदस्य को लाभ पहुंचाती है।

दीपक की लौ या तेल का दीपक देखना – वास्तु: सुबह उठते ही अगर आप घर में जलते दीपक या तेल के दीपक की लौ देखते हैं, तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। दीपक की लौ सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होती है। इसे देखने से मन शांत रहता है और दिन की शुरुआत शुभ होती है।

अन्य लाभ: यह विशेष रूप से घर में दरिद्रता को दूर करने और आर्थि?क लाभ लाने में मदद करता है।

प्यारे और शांतिपूर्ण चित्र या तस्वीरें

वास्तु: घर में सुंदर, शांतिपूर्ण और सकारात्मक चित्रों को देखना शुभ माना जाता है जैसे लक्ष्मी जी की तस्वीर, कुबेर की मूर्ति, समुद्र का दृश्य, प्रकृति से जुड़े चित्र आदि। ये सभी चित्र घर में समृद्धि और शांति का प्रतीक होते हैं।

अन्य लाभ: विशेष रूप से आप यदि इन चित्रों को सुबह उठते ही देखें, तो दिन भर की स्थिति सकारात्मक रहेगी और आपकी मेहनत में सफलता मिलेगी।

तुलसी के पौधे को देखना

वास्तु: घर में तुलसी का पौधा रखना और उसे सुबह जल देना एक बहुत शुभ उपाय है। तुलसी के पौधे को देखने से घर में धन, सुख और समृद्धि का वास होता है। यह पौधा विशेष रूप से मानसिक शांति और आस्था का प्रतीक माना जाता है।

अन्य लाभ: तुलसी की पूजा से घर में नकारात्मकता कम होती है और स्वास्थ सबंधी लाभ भी मिलते हैं।

चांदी या सोने की वस्तु का दर्शन

वास्तु: यदि आप सुबह उठते ही चांदी या सोने की कोई छोटी सी वस्तु देखते हैं जैसे चांदी की छड़ी, सिक्के या कोई आभूषण तो यह दिन भर के लिए धन और समृद्धि के संकेत होते हैं। यह खासतौर पर व्यापारियों के लिए बहुत शुभ होता है।

अन्य लाभ: इस प्रकार की वस्तुओं को देखना आर्थि?क समृद्धि की ओर इशारा करता है और सकारात्मक विचारों का प्रवाह करता है।

घर के पूर्व दिशा में सूर्योदय देखना

वास्तु: सूर्योदय का दृश्य सबसे शुभ माना जाता है, विशेष रूप से यदि यह पूर्व दिशा से दिखाई देता हो। सूर्योदय को देखने से जीवन में नयापन और ऊर्जा का संचार होता है।

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
बुधवार 15 अप्रैल 2026
www.sabkasapna.com

वीकएंड पर फिर गरजी 'धुरंधर 2', जानें 'डकैत' और 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' का कैसा है हाल?

● सिनेमाघरों में बॉलीवुड, हॉलीवुड और साउथ की फिल्में धमाल मचा रही हैं। रविवार का दिन सभी फिल्मों के लिए ठीक-ठाक रहा। 'धुरंधर 2' सभी फिल्मों पर हावी रही है। इसे वीकएंड का फायदा मिला है। धीमी रफ्तार से 'डकैत' की कमाई जारी है। 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' की भी वीकएंड पर कमाई बढ़ी है। आइए जानते हैं सभी फिल्मों का कलेक्शन।

'धुरंधर 2' दुनियाभर में भी अच्छी कमाई कर रही है। इसने 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 1712.98 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अगर फिल्म की कमाई इसी तरह जारी रही तो यह जल्द ही 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड तोड़ देगी। 'पुष्पा 2' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 1740 करोड़ रुपये है। 'धुरंधर 2' ने रचा इतिहास 'धुरंधर 2' चीन और खाड़ी देशों के कलेक्शन को छोड़कर, दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। चीन और खाड़ी देशों के बिजनेस को छोड़कर 'दंगल' ने 700झ790 करोड़ रुपये, 'पुष्पा 2' 1685 करोड़ रुपये और 'बाहुबली 2' 1615 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

'डकैत' का कुल कलेक्शन

साउथ की फिल्म 'डकैत' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 6.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को इसने 6.85 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले दिन इसकी कमाई 6.55 करोड़ रुपये थी। इस तरह से इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 19.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसमें मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष अहम किरदार में हैं। यह फिल्म तेलुगु और हिंदी में रिलीज हुई है।

'प्रोजेक्ट हेल मेरी'

26 मार्च को भारत में रिलीज होने वाली फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' ने रविवार को 4.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को फिल्म ने 4.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे हफ्ते में इसने 20.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पहले हफ्ते में फिल्म ने 24.70 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 55.01 करोड़ रुपये हो गया है।

नीतू कपूर ने ऋषि कपूर के साथ शेयर की थ्रोबैक तस्वीर

अपनी सगाई की 47वीं सालगिरह पर किया याद

रणबीर कपूर की मां और दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर को याद करते हुए एक खास तस्वीर शेयर की है। यह खास तस्वीर उनकी सगाई की 47वीं सालगिरह के दौरान की है। नीतू ने किया ऋषि को याद नीतू कपूर ने इंसटाग्राम स्टोरी पर ऋषि कपूर के साथ अपनी एक खास पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में नीतू और ऋषि दोनों बहुत खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों के चेहरों पर प्यारी सी मुस्कान दिखाई दे रही है। नीतू ने इस थ्रोबैक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'आज ही के दिन 1979 में हमारी सगाई हुई थी।' नीतू और ऋषि की शादी नीतू और ऋषि कपूर की शादी 22 जनवरी 1980 को हुई थी। उस समय यह बॉलीवुड की सबसे महंगी और चर्चित शादियों में से एक थी। शादी में फिल्म इंडस्ट्री के बहुत सारे बड़े स्टार आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नीतू अपनी शादी के बीच में इतने सारे स्टारों और भीड़ को देखकर बेहोश हो गई थीं। शादी के बाद 1980 में उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी पैदा हुई और 1982 में बेटे रणबीर कपूर का जन्म हुआ। ऋषि कपूर का अप्रैल 2020 में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। 'दादी की शादी' में नजर आएंगी नीतू कपूर नीतू कपूर जल्द ही फिल्म ह्यदादी की शादीह्न में नजर आएंगी। यह फिल्म कपिल शर्मा और रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ है।

2003 की यादों में लौटीं पूजा भट्ट, 'पाप' के सेट से जॉन अब्राहम संग शेयर की अनदेखी तस्वीर

बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जो सिर्फ अपनी कहानी के लिए ही नहीं बल्कि अपनी लोकेशन और असलपन के लिए भी याद की जाती हैं। इन्हीं फिल्मों में एक नाम है 'पाप'... सोमवार को इस फिल्म से जुड़ी एक खास याद अभिनेत्री पूजा भट्ट ने साझा की। उनके इस पोस्ट ने फैंस को एक बार फिर 2003 के दौर में पहुंचा दिया। दरअसल, पूजा भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जो फिल्म 'पाप' की शूटिंग के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में वह जॉन अब्राहम के साथ सीढ़ियों पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके आसपास काजा के स्थानीय लोग भी मौजूद हैं। सभी के चेहरे पर मुस्कान है। तस्वीर की खास बात यह है कि इसमें स्थानीय लोग अपने पारंपरिक पहनावे में नजर आ रहे हैं। ऊनी टोपी, गर्म कपड़े और सांस्कृतिक गहनों से सजी उनकी वेशभूषा उस इलाके की पहचान को बखूबी दशार्ती है। स्पीति वैली की यह झलक फिल्म की कहानी को और भी असली बनाती है। पूजा भट्ट ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, "2003 में काजा में ली गई यह तस्वीर फिल्म की सादगी और उसके असली अंदाज को बहुत खूबसूरती से दिखाती है।" बता दें कि 'पाप' पूजा भट्ट की डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम और उदिता गोस्वामी मुख्य भूमिका में थे, जबकि दिग्गज अभिनेता मोहन अगाशे ने भी अहम किरदार निभाया था। फिल्म की शूटिंग स्पीति की खूबसूरत वादियों में हुई थी। अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो यह 'काया' नाम की एक बौद्ध लड़की (उदिता गोस्वामी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे भविष्य में आध्यात्मिक गुरु बनने के लिए तैयार किया जा रहा होता है। उसकी जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उसकी मुलाकात पुलिस इंस्पेक्टर शिवेन से होती है, जिसका किरदार जॉन अब्राहम ने निभाया है। फिल्म में धर्म, इच्छाएं, आत्मसंघर्ष और मोक्ष जैसे गहरे विषयों को बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है।

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन

'वाराणसी' के अलावा इस फिल्म में आएंगी नजर

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रही हैं। महेश बाबू के साथ फिल्म 'वाराणसी' के बाद अब वह एक नई फिल्म पर काम कर रही हैं। जानिए प्रियंका की नई फिल्म का नाम क्या है। प्रियंका ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन इस महीने की शुरूआत में प्रियंका चोपड़ा को स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करते और रसोई में सेवा करते देखा गया था। हाल ही में उन्होंने फिर से स्वर्ण मंदिर जाकर प्रार्थना की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका कल रात करीब 12 बजे स्वर्ण मंदिर में नजर आईं। वह वहां प्रार्थना कर रही थीं और परिक्रमा स्थल पर कुछ देर रुकीं। पंजाब में कई जगहों पर की प्रार्थना स्वर्ण मंदिर के अलावा, पिछले कुछ दिनों में प्रियंका ने पंजाब के कई और धार्मिक जगहों पर भी जाकर दर्शन किए। इनमें शहीद बाबा गुरबख्श सिंह जी, थड़ा साहिब, शहीदान सिंह मेमोरियल, झंडा बंगा साहिब, बाबा बुद्धा जी और दुख भंजनी बेर साहिब शामिल हैं। प्रियंका चोपड़ा ने स्वर्ण मंदिर में सेवा भी की कुछ दिन पहले प्रियंका की सेवा करते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उन तस्वीरों में प्रियंका सिर पर कपड़ा बांधे, पारंपरिक कपड़े पहने, सबके साथ एक जगह बैठी थीं। वह बर्तन धोने और दूसरे कामों में मदद कर रही थीं। प्रियंका ने मंदिर में सबके साथ प्रार्थना भी की थी। प्रियंका की नई फिल्म 'अमरी' की शूटिंग शुरू प्रियंका इन दिनों अपनी नई फिल्म के लिए पंजाब के अमृतसर में रुकी हुई हैं। फिल्म 'अमरी' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। प्रियंका अपना पूरा शेड्यूल पूरा करने में व्यस्त हैं। वह आखिरी बार फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ काम किया था। 'अमरी' के अलावा प्रियंका फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। 'वाराणसी' में प्रियंका साउथ अभिनेता महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

'जना नायकन' लीक मामले में तमिलनाडु साइबर क्राइम ने शुरू की जांच, छह गिरफ्तार

थलपति विजय की आगामी राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' के रिलीज से पहले लीक होने की घटना सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बन चुकी है। साउथ के कई बड़े सुपरस्टार ने लीक और पाइरेसी की बढ़ती घटनाओं पर सवाल किए, जिसके बाद अब तमिलनाडु की साइबर पुलिस हरकत में आ गई है और मामले में 6 लोगों की गिरफ्तारी भी कर ली है। इस बात की जानकारी खुद तमिलनाडु की साइबर पुलिस ने दी है। तमिलनाडु पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने कथित डेटा लीक की विस्तृत जांच आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। यह शिकायत केवीएन प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन कंट्रोलर आर. उदयकुमार की ओर से आई थी। उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि अप्रकाशित फुटेज को गैरकानूनी रूप से प्राप्त कर अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया। शिकायत के अनुसार, यह कोई आकस्मिक लीक नहीं थी। इसमें 21 व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं, जिन पर एक कथित पायरेसी नेटवर्क में शामिल होने का आरोप है। तमिलनाडु साइबर क्राइम ने अपने ट्वीट में जानकारी दी है कि अब तक छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और 300 से अधिक अवैध लिंक पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पाइरेसी को अपराध बनाते हुए ऐसी हरकत करने वाले लोगों को चेताया है और कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। बता दें कि थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' अभिनेता विजय के राजनीति में आने से पहले की आखिरी फिल्म है, जिसमें पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। फिल्म में विजय की एंट्री के कुछ सीन्स को लीक कर दिया गया है, जिसमें अभिनेता सादे कपड़ों में बच्चों के साथ खेलते नजर आ रहे हैं। माना जाता रहा है कि यह फिल्म का शुरूआती सीन है, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। मामले में कमल हासन, रजनीकांत, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और अल्लू अर्जुन जैसे अभिनेता घटना को निंदनीय बता चुके हैं। इससे पहले आरआरआर, पुष्पा-2 और बाहुबली-2 जैसी बड़े बजट की फिल्मों को भी पाइरेसी का दंश झेलना पड़ा था। मेकर्स ने उस वक्त भी फैंस से फर्जी लिंक्स से फिल्म न देखने की अपील की थी।

शाहरुख की इस फिल्म में काम ना करने का राजपाल यादव को है पछतावा

अभिनेता राजपाल यादव अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि गलतफहमी में एक फिल्म ठुकराने का उन्हें बहुत पछतावा है। उनके मुताबिक गलतफहमी की वजह से उनके हाथ से शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' निकल गई थी।शाहरुख को किया नाराज राजपाल यादव ने बताया कि शुरूआत में उन्हें प्रियदर्शन की फिल्म 'बिल्लू' में बिल्लू बार्बर का किरदार निभाना था। हालांकि, बाद में यह रोल इरफान खान ने निभाया। उन्हें एहसास हुआ कि 'ओम शांति ओम' में कथित तौर पर एक रोल ठुकराने के बाद उन्होंने अनजाने में शाहरुख खान को नाराज कर दिया था। राजपाल यादव ने बताया कि उन्हें इस गलतफहमी के बारे में तब पता चला, जब वे 'बिल्लू' के सेट पर थे। शाहरुख से मिले राजपाल जूम के साथ बातचीत में राजपाल यादव ने कहा 'बिल्लू' का पूरा प्रोडक्शन जूही चावला के भाई देखते थे। वह मुझसे गले मिले और कहा भाई शाहरुख से मिल लेना। भाई आपको बहुत प्यार करते हैं। जब हम 'कल हो ना हो' में काम कर रहे थे तो उन्होंने कहा था कि कभी एक लंबा और बढ़िया ट्रैक करेंगे, एक सीन में मजा नहीं आया। मैंने कहा मैं तो दोपहर में ही मिला था, उन्होंने कहा थोड़ा कंफ्यूजन है। तो मैंने पूछा क्या? तो वह बोले आपके लिए रोल लिखवाया था। आपने ये कह कर मना कर दिया कि टाइम नहीं है।' किसी ने पेश की खराब छवि राजपाल यादव ने आगे कहा कि मैंने अपने मैनेजर को बुलाया और पूछा कि क्या इस तरह का कोई मामला हुआ था। इस पर उसने कहा उन्हें नहीं पता। राजपाल यादव ने कहा 'पता चला कि बीच में किसी ने मेरी बुराई करके मेरी दूसरी छवि पेश कर दी। इस बारे में शाहरुख को भी नहीं पता और मुझे भी नहीं पता। तो ये बॉलीवुड है। यहां इस तरह के कई किस्से हो जाते हैं। इसके बाद हम और शाहरुख से ऐसे गले मिले जैसे कुछ हुआ ही नहीं।' 'ओम शांति ओम' का कलेक्शन फराह खान के निर्देशन में बनी 'ओम शांति ओम' में दीपिका पादुकोण थीं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। 38 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने 148 करोड़ रुपये कमाए थे।

'ड्रैगन' की शूटिंग के बीच जूनियर एनटीआर ने बना ली शानदार बॉडी

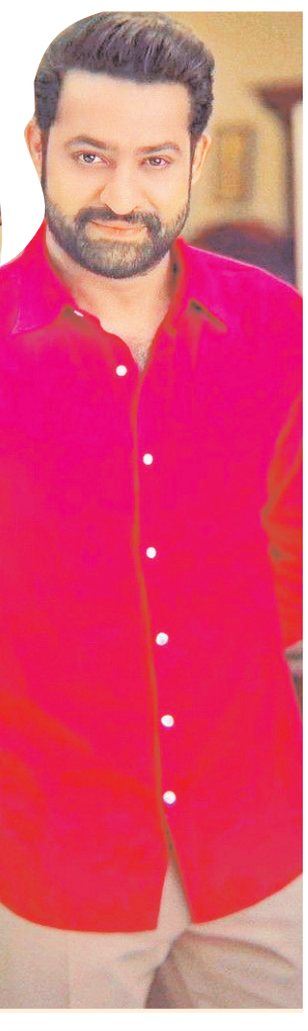

साउथ के मशहूर अभिनेता जूनियर एनटीआर अपकमिंग फिल्म 'ड्रैगन' को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जारी है। इस बीच सोमवार को जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। एनटीआर ने फ्लॉन्ट की बॉडी सोशल मीडिया पर जूनियर एनटीआर ने जो तस्वीर शेयर की है, वह वायरल हो रही है। इस तस्वीर में जूनियर एनटीआर अपना बैक साइड फ्लॉन्ट कर रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'बनाओ, खरीदो नहीं।' इस पोस्ट में उन्होंने अपने कोच और प्रशांत नील को टैग किया है। पोस्ट पर फैंस ने किए कमेंट तस्वीर में जूनियर एनटीआर की गठीली बॉडी देखकर फैंस हैरान हो गए। वे एनटीआर के समर्पण और जुनून की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है 'टाइगर'। एक और यूजर ने लिखा 'ड्रैगन'। एक और यूजर ने लिखा 'जय एनटीआर'। एक और यूजर ने लिखा है 'प्रशांत नील की ताकत'। सितंबर में शुरू की तैयारी खबरों के मुताबिक एक्टर ने अपनी फिल्म के लिए पिछले साल सितंबर में तैयारी शुरू की थी। अब ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। उनकी वर्कआउट रूटीन में ताकत बढ़ाने वाली ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज शामिल हैं, ताकि एक्शन सीन्स के लिए उनका शरीर पूरी तरह से तालमेल में रहे। कब रिलीज होगी 'ड्रैगन'? फिल्म 'ड्रैगन' एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म में लंबी स्टार कास्ट हो सकती है। जूनियर एनटीआर फिल्म में मुख्य किरदार में हैं। फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार पहले 2026 में रिलीज होने वाली फिल्म अब 2027 तक रिलीज हो सकती है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।